आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
* लता मंगेशकर पुण्यतिथि

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 190 | इंदौर, शुक्रवार 06 फरवरी, 2026 | फाल्गुन कृष्ण 5 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

देश विदेश

मेघालय में अवैध कोयला खदान में धमाके से 16 की मौत

शिलांग। मेघालय के ईस्ट जैंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को अवैध कोयला खदान में धमाका हो गया। हादसे में कम से कम 16 मजदूरों की मौत हो गई। कई मजदूरों के अब भी खदान में फंसे होने की आशंका है। यह जानकारी राज्य की पुलिस महानिदेशक आई नोंग्रांग ने दी। बचाव दल राहत और खोज अभियान में लगे हुए हैं। यह हादसा सुबह थांग्स्कु इलाके में हुआ। नोंग्रांग ने कहा, अब तक 16 शव बरामद किए जा चुके हैं। धमाके के समय खदान के अंदर कितने मजदूर थे, यह अभी साफ नहीं है और लोगों के फंसे होने की आशंका है। एक घायल व्यक्ति को पहले सुतंगा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए शिलांग के अस्पताल में रेफर किया गया। यह जानकारी ईस्ट जैंतिया हिल्स के एसपी विकास कुमार ने दी। पुलिस के मुताबिक, विस्फोट कोयला खनन के दौरान हुआ और यह खदान अवैध रूप से संचालित की जा रही थी।

रूस ने कहा- भारत किसी से भी तेल खरीदने के लिए आजाद

मॉस्को। रूस ने बुधवार को कहा कि भारत किसी भी देश से क्रूड ऑयल खरीदने के लिए पूरी तरह आजाद है। रूस के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि रूस कभी भी भारत का एकमात्र एनर्जी पार्टनर नहीं रहा है। अगर भारत तेल की खरीद किसी और देश से करता है, तो इसे गलत नहीं माना जाना चाहिए। पेस्कोव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर रहा है, इस तरह की कोई भी ऑफिशियल जानकारी भारत की ओर से नहीं दी गई है। उन्होंने एक दिन पहले भी यही बात कही थी कि नई दिल्ली से ऐसा कोई मैसेज नहीं आया है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोमवार को कहा था कि भारत, अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील के तहत रूस से तेल खरीद रोकने को तैयार हो गया है।

फिल्म 'घूसखोर पंडत' पर मचा बवाल

मेकर के चेहरे पर कालिख पोतेंगे, टायटल पर विवाद, ब्राह्मण समाज में आक्रोश

मुंबई। नेटफ्लिक्स पर अभिनेता मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म घूसखोर पंडत का टीजर जारी होते ही विवाद खड़ा हो गया है। देश के कई शहरों में ब्राह्मण समाज ने फिल्म के टायटल का विरोध किया है। इधर उज्जैन में भी फिल्म के नाम को लेकर अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने विरोध दर्ज कराते हुए ऐसी फिल्म बनाने वालों के मुंह पर कालिख पोतने की बात कही है। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने 3 फरवरी को मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म घूसखोर पंडत का टीजर रिलीज किया था। रिलीज से पहले ही फिल्म टायटल को लेकर विवादों में फंस गई है। फिल्म के टाइटल को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। इसमें आरोप लगाया गया है कि फिल्म का शीर्षक ब्राह्मण समुदाय के प्रति अपमानजनक है। इधर जयपुर और दिल्ली के बाद अब उज्जैन में भी फिल्म पर रोक लगाने की मांग उठने लगी है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष महेश शर्मा ने बताया कि फिल्म के नाम में ही पंडितों और ब्राह्मणों का अपमान है। देश में ब्राह्मणों, क्षत्रिय और वैश्य समाज को गाली देने का पैटर्न चल गया है। अपमानित करने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। एक कानून पंडितों के लिए बनाना चाहिए। हम निंदा करते हैं ऐसे फिल्म मेकर की। वक्त आने पर पुतले जलाए जाएंगे, हमारी नजर के सामने आएंगे तो मुंह पर कालिख पोती जाएगी।

यूपी में चाइनीज मांझे से मौत मानी जाएगी हत्या

लखनऊ। चाइनीज मांझे से हो रही लगातार दुर्घटनाओं और मौतों को गंभीरता से लेते हुए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बड़ा और सख्त फैसला लिया है मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि चाइनीज मांझे की वजह से होने वाली किसी भी मौत को अब हत्या की श्रेणी में दर्ज किया जाएगा सीएम योगी ने प्रदेश भर में चाइनीज मांझे की अवैध बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए हैं उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष अभियान चलाकर छापेमारी करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है सीएम ने यह भी निर्देश दिया कि इस अभियान की नियमित निगरानी और समीक्षा की जाए, ताकि किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो सरकार का उद्देश्य आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना और जानलेवा चाइनीज मांझे पर पूरी तरह रोक लगाना है।

ट्रम्प पर हमले की कोशिश करने वाले शख्स को उम्रकैद

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की हत्या की कोशिश के मामले में दोषी ठहराए गए रयान राउथ को फेडरल कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, सजा बुधवार को सुनाई गई। यह घटना 15 सितंबर 2024 को हुई थी, जब ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। राउथ एके-47 जैसी सोवियत शैली की राइफल और बॉडी आर्मर के साथ ट्रम्प के गोल्फ कोर्स के पास झाड़ी में पास छिपा था। एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने राइफल की नली और आरोपी का चेहरा देखा और गोली चलाई, जिसके बाद राउथ मौके से भाग गया। बाद में उसकी गाड़ी की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था।

मडावदा ग्राम के आंगनबाड़ी के बच्चों को मधुमक्खियों से बचाने के लिए दे दी अपनी जान

डेढ़ दर्जन बच्चों की धाय मां कंचन बाई को मिला सम्मान

सीएम ने एक्स पर ट्वीट किया, परिवार को 4 लाख की आर्थिक सहायता, बच्चों के शिक्षण की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ नीमच/उज्जैन

नीमच जिले के मडावदा पंचायत क्षेत्र के रानपुर आंगनबाड़ी केंद्र की स्व सहायता समूह की अध्यक्ष कंचनबाई मेघवाल ने जान देकर आंगनवाड़ी के 20 बच्चों की जान मधुमक्खियों के हमले में बचा ली। उनकी शहादत को तीन दिन हुए हैं। गुरूवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके लिए ट्वीट किया है। परिवार को 4 लाख आर्थिक सहायता एवं उनके बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी राज्य सरकार उठाएगी।

मामला सोमवार सुबह के समय का है जब स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष ने अपनी जान पर खेलकर मासूम बच्चों को बचा लिया। इस तरह नीमच जिले की कंचन बाई मेघवाल इंसानियत के प्रति कर्त्तव्य और इसके लिए समर्पण व साहस का उदाहरण बन गई। मधुमक्खियों के हमले के समय आंगनबाड़ी केंद्र पर करीब 20 से अधिक बच्चे मौजूद थे।

केंद्र की सहायिका बाकी बच्चों को लेने गई हुई थी। इसी बीच बच्चों पर बाहर से झुंड के रूप में आईं मधुमक्खियों ने हमला कर दिया था।

कपड़े धोने के दौरान ही बचाया- आंगनवाड़ी के पास में ही स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष 45 वर्षीय कंचन बाई मेघवाल का घर है। वह आंगनबाड़ी केंद्र के पास स्थित हैंडपंप पर कपड़े धो रही थीं। उन्होंने जब बच्चों पर मधुमक्खियों का हमला होते देखा तो वह दरी और कंबल लेकर दौड़ीं और आनन-फानन में सारे बच्चों पर दरी और कंबल से घेरा बनाकर उन्हें सुरक्षित वहां से निकालकर दूर पहुंचाया लेकिन इस दौरान उन्हें मधुमक्खियों ने जमकर काट लिया था।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने से पहले मौत

बच्चों को बचाने के दौरान कंचनबाई को मधुमक्खियों ने अपने क्रोध का शिकार बनाया। इससे कंचनबाई गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस बीच आसपास के ग्रामीण भी एकत्र हो गए। डायल 112 को बुलाकर घायल कंचन बाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

पति लकवे से पीड़ित

कंचनबाई मेघवाल के पति शिवलाल को कई साल पहले लकवा मार गया था, जिससे उनका चलना फिरना बंद हो गया था। उनका एक बेटा और दो बेटियां हैं। वह आंगनबाड़ी में स्व-सहायता ग्रुप चला रही थीं, जिसमें वह जय माता दी स्व-सहायता ग्रुप की अध्यक्ष थी और आंगनबाड़ी में बच्चों को खाना बनाकर देती थीं। गांव के सुरेश मेघवाल ने बताया कि, कंचनबाई वक्त की बहुत पाबंद थी, वह रोजाना सुबह समय पर आंगनबाड़ी आती थीं। कभी शिकायत नहीं करती थी और हमेशा मुस्कुराती रहती थीं। पति की बीमारी के चलते परिवार को संभालती थी, अब उनके जाने से परिवार पर कहर टूट पड़ा।

एकतरफा प्यार में पागल युवक ने दिनभर रैकी के बाद

नर्स की गोली मारकर हत्या

शादी करना चाहता था, मर्डर करने जबलपुर से सागर पहुंचा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सागर

सागर के शाहगढ़ में बुधवार रात एक नर्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मारने वाला कोई और नहीं उसका रिलेटिव निकला, जो जबलपुर से उसे मारने ही आया था। एकतरफा प्यार में पागल युवक ने दिनभर रैकी के बाद रात को मौका मिलते ही अस्पताल के गेट के पास नर्स को तीन गोली मारी। एक गोली मिस हो गई, जबकि दो गोली उसके पीठ से होते हुए दिल तक पहुंच गई।

पुलिस ने रातभर की पड़ताल के बाद आरोपी की पहचान कर ली है। उसका नाम सुशील आठ्या निवासी पनागर है, जो नर्स का रिश्तेदार है। लंबे समय से वह नर्स के पीछे पड़ा हुआ था। सुशील बेरोजगार था और शादी करना चाहता था। इसी बात पर दोनों के बीच अनबन हुई और आरोपी

ने हत्या जैसी वारदात को अंजाम दिया। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए परिवार ने चक्काजाम किया। पुलिस की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ। पुलिस के अनुसार, दीप शिखा चढार (26) निवासी पाटन (जबलपुर) करीब 2 साल से सागर के शाहगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नर्स के पद पर पदस्थ थी। वह अस्पताल से करीब 200 मीटर की दूरी पर किराए का कमरा लेकर रह रही थी।

राज्यसभा में पीएम की स्पीच के दौरान विपक्ष का वॉकआउट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब दे रहे हैं। स्पीच के दौरान विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्षी नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी को बोलने दिया जाए, तानाशाही नहीं चलेगी। इस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि खड़गेजी की उम्र देखते हुए उन्हें बैठकर नारे लगाने की इजाजत दी जाए।

इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया। मोदी ने कहा कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है, जो मोदी की कब्र खोदने की बात करते हैं। ये सार्वजनिक जीवन की मर्यादा का अपमान नहीं है पीएम बोले- टीएमसी, कांग्रेस, लेफ्ट, डीएमके दशकों से केंद्र में सत्ता का हिस्सा रहे। उनकी पहचान क्या बनी, उनके वक्त डील के नाम पर बोफोर्स याद आता है।

जीतू पटवारी से मिले नरोत्तम मिश्रा, बंद कमरे में हुई चर्चा

नवग्रह शक्तिपीठ प्राण प्रतिष्ठा का दिया निमंत्रण सियासत में चर्चाएं तेज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ भोपाल

प्रदेश की सियासत में आज एक घटनाक्रम बड़ा सियासी सुर्खियों में बना रहा। दरअसल, प्रदेश की राजनीति में दबदबा रखने वाले पूर्व गृहमंत्री और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष के बीच एक मुलाकात हुई है। डॉ. नरोत्तम मिश्रा कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी से मिलने उनके निवास पहुंचे। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने डबरा स्थित नवग्रह शक्तिपीठ में 10 से 20 फरवरी तक होने वाले भव्य प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में जीतू पटवारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया है। जहां जीतू पटवारी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच बंद कमरे में करीब 20 मिनट तक बातचीत भी हुई है। इस मुलाकात की सियासी जगत में खूब चर्चा हो रही है। कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी डॉ. नरोत्तम मिश्रा को स्वागत के बाद एक बंद कमरे में लेकर गए, जहां दोनों नेताओं के बीच करीब 20 मिनट तक बातचीत हुई। बैठक के बाद जब दोनों नेता बाहर आए, तो हाथ थामे हुए दिखाई दिए हैं। हालांकि इस बैठक में क्या चर्चा हुई, इसका खुलासा दोनों नेताओं ने नहीं किया, मुलाकात को राजनीति शिष्टाचार, सामाजिक और धार्मिक सौहार्द से जोड़कर देखा जा रहा है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को जमीन वापस लेने का आदेश दिया

आसाराम के आश्रम पर चलेगा बुलडोजर

एजेंसी ▸▸ अहमदाबाद

अहमदाबाद के मोटेरा में स्थित आसाराम का मुख्य आश्रम अब कानूनी विवादों में है। गुजरात हाईकोर्ट ने 45 हजार वर्ग मीटर से अधिक की आश्रम की जमीन को राज्य सरकार के कब्जे में लेने और अवैध ढांचों को हटाने की मंजूरी दे दी है।

इस आश्रम की जगह अब 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनेगा। वर्तमान में इस जमीन की मार्केट वैल्यू 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की है। गुजरात हाईकोर्ट की जस्टिस वैभवी नानावती ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को जमीन वापस लेने की अनुमति दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि विकास परियोजना की आवश्यकता और नियमों के

उल्लंघन को देखते हुए सरकारी कार्रवाई उचित है। इस फैसले के बाद अहमदाबाद नगर निगम किसी भी समय अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर सकता है। आश्रम में मिली जानकारी के अनुसार मोटेरा स्थित आश्रम परिसर में करीब 32 अवैध यूनिट स्थापित की गई थीं। प्रशासन को जांच के दौरान पता चला कि इन इकाइयों का इस्तेमाल व्यावसायिक गतिविधियों और अनधिकृत निर्माण के लिए किया जा रहा था।

2008 मंदी की भविष्यवाणी करने वाले इकोनॉमिस्ट ने कहा- बड़ा संकट आने वाला है

डॉलर खत्म हो जाएगा, सोना उसकी जगह लेगा

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

मशहूर अमेरिकी इकोनॉमिस्ट पीटर शिफ ने बड़े आर्थिक संकट की चेतावनी दी है। शिफ का मानना है कि हम एक ऐसे आर्थिक संकट की तरफ बढ़ रहे हैं, जिसके सामने 2008 की मंदी बच्चों के खेल जैसी लगेगी। डॉलर धराशायी होने वाला है और इसकी जगह सोना ले लेगा।

पीटर शिफ के मुताबिक दुनिया भर के केंद्रीय बैंक डॉलर पर निर्भरता कम कर रहे हैं। वे सोने का रिजर्व बढ़ा रहे हैं। शिफ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब

ग्लोबल मार्केट में सोने-चांदी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव है। 2025 में सोना 75% और चांदी 167% बढ़ी है। शिफ ने कहा- आने वाला संकट 2008 से बिल्कुल अलग होगा। पिछला संकट पूरी दुनिया में फैल गया था, लेकिन ये अमेरिका के भीतर ही केंद्रित रहेगा। 2008 का संकट अमेरिका के हाउसिंग मार्केट के गिरने से शुरू हुआ था, जब बड़ी संख्या में लोगों ने होम लोन चुकाना बंद कर दिए थे। इसने पूरी दुनिया की बैंकिंग प्रणाली को हिला दिया और 1930 की महामंदी के बाद का यह सबसे बड़ा वैश्विक आर्थिक संकट बन गया। शिफ ने कहा कि हम दुनिया पर निर्भर हैं। वे हमें वो सामान देते हैं जो हम नहीं बनाते। ट्रम्प इसे उल्टा समझ रहे हैं। दुनिया की अर्थव्यवस्था हमारे कारण नहीं चलती, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था दुनिया के कारण चलती है। हमारी क्रेडिट आधारित इकोनॉमी खराब हो चुकी है जो डॉलर के 'रिजर्व करेंसी' स्टेटस पर टिकी है।

सरकारी आंकड़े सही नहीं

पीटर शिफ ने उन दावों को भी खारिज कर दिया जिनमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था को बहुत मजबूत बताया जा रहा है। शिफ ने कहा कि दुर्भाग्य से ये आंकड़े सही नहीं हैं। ये बहुत ज्यादा घुमावदार हैं और इनमें सुधार किया जाएगा। इन पर महंगाई का बहुत असर है। आने वाले कुछ सालों में महंगाई, बाइडन के समय से भी ज्यादा खतरनाक होने वाली है। शिफ ने कहा कि सोने की बढ़ती कीमतें उस बड़े संकट की चेतावनी दे रही है जो या तो इस साल के आखिर में या अगले साल आने वाला है।

नए नियम लागू : यूपीएससी-सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद

रैंक सुधारने का मौका सिर्फ एक बार

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2026 का नोटिफिकेशन बुधवार को जारी किया है। आयोग ने इस बार 933 पदों के लिए भर्ती विज्ञापन जारी किया है। आवेदन की आखिरी तारीख 24 फरवरी है।

परीक्षा केंद्र में फेस ऑथेंटिकेशन के बाद ही एंट्री दी जाएगी। इस बार प्रयास और पात्रता से जुड़े नियमों में भी बड़ा बदलाव किया गया है। इसके मुताबिक अब सिलेक्शन के बाद दोबारा परीक्षा देने की आजादी पहले जैसी नहीं रहेगी। नए प्रावधानों में सेवा में रहते हुए बार-बार परीक्षा देने का रास्ता बंद कर दिया गया है। वहीं, आईएएस और आईएफएस को लेकर पुराने नियम जस के तस रखे गए हैं। चयनित अफसर को एक बार परफॉर्मेंस बेहतर करने का मौका मिलेगा। जैसे किसी का 2026 में आईपीएस में सिलेक्शन हुआ तो वह 2027 में परफॉर्मेंस बेहतर करने की

परीक्षा देने का पात्र होगा। उसके बाद अगर वह परीक्षा देना चाहता है तो उसे सेवा से इस्तीफा देना होगा। पहले से आईपीएस में चयनित या नियुक्त उम्मीदवार सीएसई 2026 से दोबारा आईपीएस नहीं पा सकेंगे। वहीं प्रीलिम्स के बाद लेकिन मेन्स से पहले अगर आईएएस या आईएफएस बनते हैं, तो मेन्स लिखने की अनुमति नहीं मिलेगी। सिविल सर्विस एग्जाम-2026 में अगर ग्रुप-ए या फिर आईपीएस मिलती है, तो उम्मीदवार को सिर्फ एक बार यानी सीएसई-2027 में रैंक सुधारने का मौका मिलेगा। मौका तभी मिलेगा जब उम्मीदवार को ट्रेनिंग जॉइन न करने की वन टाइम एक्जेम्शन (एक बार की छूट) मिले।

हर साल 10 लाख से ज्यादा एस्पिरेंट्स परीक्षा देते हैं

2025 में करीब 10 लाख से ज्यादा एस्पिरेंट्स ने एप्लिकेशन भरा था। जिनमें से 14,161 एस्पिरेंट्स प्रीलिम्स पास कर मेन्स तक पहुंचे। 2,736 को इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया, जबकि 979 पदों के लिए फाइनल सिलेक्शन हुआ। इससे पहले 2024 मे लगभग 13 लाख से ज्यादा आवेदन आए और करीब 5.8 लाख प्रीलिम्स में शामिल हुए। 1,009 पदों पर सिलेक्शन हुआ। इसी तरह 2023 में करीब 13 लाख एप्लिकेशन आए और 1016 पदों पर फाइनल सिलेक्शन हुआ। लोकसभा में बुधवार को पूछा गया कि क्या लद्दाख के उम्मीदवारों को सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा में भारतीय भाषा के क्वालिफाइंग पेपर (पेपर-अ) से छूट देने का कोई प्रस्ताव है। इस पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जबाव दिया कि सिविल सेवा परीक्षा के नियम समय के साथ बदलते रहते हैं।

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का बुधवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

15 फरवरी महाशिवरात्रि से 19 मार्च गुड़ी पड़वा तक व्यापार मेला, चौपहिया वाहन बेचने वालों का आकर्षण इस वर्ष भी बरकरार, दो पहिया में कमजोर स्थिति

मेले की प्रथम निविदा में 35 फीसदी दुकानों की नीलामी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

विक्रम व्यापार मेले को लेकर चौपहिया वाहन बेचने वालों का आकर्षण लगातार तीसरे वर्ष भी बरकरार है । तीसरे वर्ष के मेले के लिए प्रथम निविदा में ही चौपहिया के लिए आरक्षित 123 शाप में से 72 निलामी में चली गई हैं । इसकी अपेक्षा दो पहिया वाहन बेचने वालों की कमजोर स्थिति सामने आ रही है। कुल निर्धारित 40 में से 15 दुकानें ही निलामी में जा सकी हैं । इस बार कुल 261 दुकानों में से प्रथम निविदा में 91 दुकानें निलाम हो चुकी हैं। शेष 170 के लिए दुसरी निविदा खुलने वाली है एवं तीसरी आमंत्रित की जाने वाली है।

उज्जैन में 15 फरवरी महाशिवरात्रि से 19 मार्च गुड़ी पड़वा तक व्यापार मेला लगाया जाएगा। मेले की सुरक्षा को देखते हुए सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का 20 करोड़ का सुरक्षा बीमा नगर निगम द्वारा करवाया जाएगा। प्रशासनिक ट्रेनिंग से लौटकर निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा ने सोमवार को ज्वाईन करने के उपरांत मेला आयोजन की तैयारी को लेकर बैठक ली है। श्री मिश्रा ने प्रस्तावित व्यापार मेले में नगर निगम द्वारा व्यवस्थाएं और सुरक्षा का पूरा ध्यान रखने के निर्देश दिए है। इसके लिए मेले का लेआउट डालने का कार्य, शौचालय की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई, सिविल वर्क, कंट्रोल रूम, इत्यादि जो भी व्यवस्थाएं समय पूर्व करने को कहा है।

प्रथम नीलामी से 1.91 करोड मिले

नगर निगम को शासकीय इंजीनियरिंग कालेज परिसर में पिछले वर्ष के आयोजन से 4.97 करोड रूपए दुकान निलामी से मिले थे। इस बार प्रथम निविदा निलामी से ही 1.91 करोड मिले हैं। ऐसे में अभी दो निविदा और आमंत्रित की जाने वाली हैं जिनसे अच्छी निलामी आय होने की आस बरकरार हैं।

261 में से 91 दुकानें नीलाम

नगर निगम द्वारा शासकीय इंजीनियरिंग कालेज परिसर में व्यापार मेले का यह दुसरा आयोजन किया जा रहा है। विक्रम व्यापार मेले का आयोजन पहली बार दशहरा मैदान,कालिदास अकादमी के पीछे एवं पीजीबीटी मैदान परिसर में आयोजित किया गया था। इस वर्ष के प्रस्तावित मेला के लिए नगर निगम ने कुल 261 दुकानों के लिए प्रथम आनलाईन निविदा जारी की थी। इनमें से 91 दुकानें निलामी में दी गई हैं। 170 दुकानों की निलामी के लिए द्वितीय निविदा जारी की गई थी जिन्हें खोलने का क्रम जारी है। इस बीच शेष बचने वाली दुकानों के लिए तीसरी निविदा जारी की जाएगी।

चौपहिया की आधी से अधिक दुकानें नीलाम

मेले में तीसरी बार भी चौपहिया विक्रेताओं का रूझान बरकरार है। इस वर्ष नगर निगम ने चौपहिया वाहन विक्रेताओं के लिए कुल 123 दुकानें रखी हैं जिसमें से प्रथम निविदा में 72 दुकानें निलाम हो गई हैं। दो पहिया के लिए 40 दुकानें रखी गई थी जिसमें से मात्र 15 ही प्रथम निविदा में निलाम हुई। बैंकों के लिए 10 में से 3 दुकानें निलाम हुई हैं। कार डेकोरेशन की 5 में से 1,इलेक्ट्रानिक की 10 में से एक भी दुकान निलाम नहीं हुई हैं। खाद्य सामग्री की 8,आरटीओ कार्य की 5 एवं जनरल शाप की 60 दुकानों में से प्रथम निविदा में एक भी दुकान निलाम नहीं हुई।

कंचन बाई का 'दाधिची' कर्म अंधेरे में

अजीब भूमि हो गई है ये जहां अंगुली कटाकर लोग शहीद का दर्जा पा रहे हैं और जो समाज के लिए सर कलम करवा रहे हैं उनका जिक्र तक नहीं हो रहा है। हाल ही में पडोसी प्रदेश से जुडे संभाग के नीमच जिले के मडावदा पंचायत क्षेत्र के आंगनवाडी केंद्र में स्व सहायता समूह की अध्यक्ष बहन ने अपनी जान देकर केंद्र में आए 20 बच्चों को जीवनदान दिया है। मामला तीन दिन पुराना है। न मिडिया ने इसे विशेष स्थान दिया और न ही शासन प्रशासन ने ही इसे उचित सम्मान दिया। सामने आ रहे घटनाक्रम अनुसार आंगनबाड़ी केंद्र पर मधुमक्खियों ने हमला किया तो स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष कंचन बाई ने अपनी जान देकर केंद्र आए और वहां बाहर खेल रहे मासूम बच्चों को बचा लिया। इस तरह नीमच जिले की कंचन बाई मेघवाल इंसानियत के प्रति कर्त्तव्य और इसके लिए समर्पण व साहस का उदाहरण बन गई । देर से सामने आये घटनाक्रम अनुसार नीमच के पास सोमवार को सुबह आंगनबाड़ी केंद्र पर कई बच्चे मौजूद थे। केंद्र की सहायिका बाकी बच्चों को लेने गई हुई थी। इसी बीच बच्चों पर बाहर से झुंड के रूप में आईं मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। पास में ही स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष 45 वर्षीय कंचन बाई मेघवाल का घर है। वह आंगनबाड़ी केंद्र के पास स्थित हैंडपंप पर कपड़े धो रही थीं। उन्होंने जब बच्चों पर मधुमक्खियों का हमला होते देखा तो वह दरी और कंबल लेकर दौड़ीं और आनन-फानन में सारे बच्चों पर दरी और कंबल से घेरा बनाकर उन्हें सुरक्षित वहां से निकालकर दूर पहुंचाया। लेकिन इस दौरान उन्हें मधुमक्खियों ने जमकर काटा। बच्चों को बचाकर वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस बीच आसपास के ग्रामीण भी एकत्र हो गए। डायल 112 को बुलाकर घायल कंचन बाई को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। अंदाजा लगाईये कि अगर बच्चे मधुमक्खियों की चपेट में आ जाते तो कैसी अनहोनी हो जाती। कंचनबाई ने एन वक्त पर जिस तरह से बच्चों को बचाया है उसे मां की ममता और विकट स्थिति में संयम और साहस का परिचय ही कहा जाएगा। कंचनबाई ने कलयुग में 'दाधिची' की तरह समाज की सुरक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए हैं। खुसूर-फुसूर है कि इतना बडा त्याग करने वाली महिला को लेकर अब तक शासन एवं प्रशासन स्तर पर कोई बयान सामने नहीं आया है,जबकि अंगुली कटाने वालों को वजूद दिया जाता है यहां तो सच्चे मायने में बच्चों के लिए शहादत देने वाले को भी नजरअंदाज किया जा रहा है। देर से ही सही इस धाय मां को प्रदेश में वर्तमान दौर के मान से पूरा शहीदी सम्मान दिया जाना चाहिए ।इससे दुसरों की जान बचाने की प्रेरणा को आधार मिलेगा।

मेडिसिटी परियोजना के अंतर्गत

मेडिकल कॉलेज और हॉस्टल का 27 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ 2028 को लेकर विभिन्न प्रोजेक्ट पर तेजी से काम किया जा रहा है ताकि इन्हें तय समय सीमा पर पूरा किया जा सके। इसी कड़ी में मेडिसिटी परियोजना अंतर्गत मेडिकल कॉलेज और हॉस्टल का 27 प्रतिशत से ज्यादा काम पूरा हो चुका है। बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा छात्रावास के 4 बहुमंजिला भवनों का काम छत तक पूरा किया जा चुका है। फिलहाल तेजी से इसका काम किया जा रहा है।

21 नवंबर 2024 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने करीब 592.33 करोड़ रुपए की लागत से 14.97 एकड़ जमीन पर बनने वाली मप्र की पहली हाईटेक मेडिसिटी और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय का भूमिपूजन किया था। इस योजना के तहत नए अस्पताल, कॉलेज और हॉस्टल का निर्माण किया जा रहा है। यह मेडिसिटी शहर और आसपास के इलाकों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगी। इससे हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। यह परियोजना राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक मील का पत्थर साबित होगी। बिल्डिंग डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के डीजीएम निशांत पचौरी,, प्रबंधक फैजान हुसैन और तरुण मित्रा की टीम द्वारा इस प्रोजेक्ट को लीड किया जा रहा है। साथ ही जे पी स्ट्रक्चर गुजरात इसकी कॉन्ट्रैक्ट फर्म है।

पिछले साल 23 दिसंबर को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और सीएम डॉ. मोहन यादव मेडिसिटी पहुंचे थे। यहां उन्होंने काम की प्रगति देखी और अब तक क्या-क्या काम हुआ, इसकी

जानकारी संबंधित इंजीनियर से ली थी। मेडिसिटी परियोजना में शहर में 150 सीट का गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, 550 बेड का सुपर और मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल, 11 ऑपरेशन थिएटर, आधुनिक लाइब्रेरी, 276 वाहन क्षमता की मल्टीलेवल कार पार्किंग और 1211 बेड के चार हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा डायग्नोस्टिक सेंटर, फामेर्सी, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, वेलनेस केंद्र, आयुष अस्पताल, पैरामेडिकल कॉलेज, एकीकृत स्वास्थ्य सेवाएं, ईको-फ्रेंडली इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वास्थ्य पर्यटन को बढ़ावा देने वाली सुविधाएं भी होंगी। यह योजना सिंहस्थ 2028 के पहले पूरी कर शहर में उच्च स्तरीय स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करेगी। इससे गंभीर रोगों के इलाज के लिए अन्य शहरों पर निर्भरता कम होगी। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा रोगियों का इलाज किया जाएगा। मेडिकल शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

सिंहस्थ में रण उत्सव की तर्ज पर बनेंगी टेंट सिटी

तंबू के भीतर मिलेंगी आधुनिक सुख-सुविधाएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन सिंहस्थ के दौरान टेंट सिटी बनाई जाएगी, जो गुजरात के कच्छ के रण उत्सव की तर्ज पर विकसित होगी। सीएम डॉ. यादव गुजरात के कच्छ प्रवास पर थे, जहां कच्छ के प्रसिद्ध रण उत्सव में भाग लिया।

सीएम ने रण उत्सव को लेकर सोशल मीडिया में अनुभवों को साझा भी किया। सीएम ने कहा, रण उत्सव की तर्ज पर उज्जैन सिंहस्थ में टेंट सिटी विकसित की जाएगी। मप्र में जहां पर्यटकों की संख्या अधिक है, वहां भी टेंट सिटी पर कार्य किया जाएगा।

डॉ. यादव ने कहा है कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ हुआ रण ऑफ कच्छ का रण उत्सव भारत की सांस्कृतिक पहचान, पर्यटन क्षमता का वैश्विक प्रतीक बन चुका है, जहां कभी बंजर भूमि थी, वहां आज पर्यटन, आजीविका व विकास का मॉडल खड़ा हुआ है, जिसे दुनिया देख रही है।

लोक कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियां, गुजरात की समृद्ध संस्कृति, इस उत्सव को विशिष्ट पहचान देती हैं। यह प्रेरक उदाहरण है। उज्जैन में वर्ष-2028 में होने वाले सिंहस्थ में भी ऐसी व्यवस्था की जाएंगी। इससे जहां स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार मिलेगा और किसान भी लाभान्वित होंगे। सीएम ने लिखा, भुज में स्थित स्मृति वन जो भूकंप पीड़ितों की स्मृतियों को सहेजता है, वह संवेदना और संकल्प का प्रतीक है। भोपाल में भी यूका त्रासदी के पीड़ितों की स्मृति में समर्पित संग्रहालय बनेगा।

क्या होती है टेंट सिटी

टेंट सिटी टेंटों (तंबुओं) से बसाया गया एक अस्थायी शहर या रिहायशी इलाका होता है, जो बड़े आयोजनों, तीर्थयात्राओं, या आपातकालीन स्थितियों के लिए बनाया जाता है। यह एक सुनियोजित क्षेत्र होता है जहाँ तंबू के भीतर आधुनिक सुख-सुविधाएं जैसे अउ, बिस्तर, और वाई-फाई उपलब्ध होते हैं। यह प्रकृति के पास लग्जरी कैंपिंग का एक अनुभव प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा 10 फरवरी से, अयोध्या जाएगी

7 फरवरी तक नगर निगम में जमा कर सकते हैं आवेदन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत उज्जैन जिले से माह फरवरी 2026 में अयोध्या तीर्थ यात्रा जाना प्रस्तावित है जिले से यात्रा का लक्ष्य 779 है, इच्छुक आवेदक अपना आवेदन कार्यालय नगर शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ नगर निगम उज्जैन आगर रोड के कक्ष क्रमांक 214 से प्राप्त कर 7 फरवरी 2026 तक दोपहर 12:00 बजे तक जमा करवा सकते हैं, यात्रा 10 फरवरी को प्रारंभ होगी।

वरिष्ठ नागरिक जिनकी उम्र 60 वर्ष से अधिक है दंपति के साथ यात्रा कर सकते हैं तथा 65 वर्ष से अधिक उम्र के आवेदक दंपत्ति अपने साथ एक सहायक (जिसकी आयु 18 से 49 वर्ष) को ले जाने की पात्रता रखते हैं, 60 प्रतिशत दिव्यांग के लिए आयु का बंधन नहीं है दिव्यांग आवेदक अपने साथ एक सहायक ले जा सकते हैं, सहायक शारीरिक रूप से सक्षम हो, आवेदक आयकर दाता नहीं होना चाहिए आवेदक उज्जैन निकाय क्षेत्र का मूल निवासी होना चाहिए।

इन दस्तावेजों के साथ जमा होगा आवेदन

आवेदनकर्ता को जरूरी दस्तावेज जिसमें आवेदक का आधार कार्ड, समग्र आईडी, पासपोर्ट साइज फोटो, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, आवेदक के सभी दस्तावेज समग्र आईडी में ईकेवाईसी सहित आवेदन के साथ संलग्न होना चाहिए आवेदन 02 सेट में जमा होंगे तथा आवेदन केवल हिंदी भाषा में ही मान्य होंगे।

नगर पालिका-निगम महासंघ के प्रदेश पदाधिकारी बनने पर किया स्वागत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

भोपाल में भदभदा रोड पर भारत माता चौराहा स्थित भारतीय मजदूर संघ के ठेंगड़ी भवन पर भारतीय मजदूर संघ के कुलदीप जी, सिंह साहब, कार्यकारी अध्यक्ष अरविंद मिश्रा आदि पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में रविवार को म.प्र. नगर पालिका-नगर निगम महासंघ का गठन किया गया, जिसमें उज्जैन नगर निगम के स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नितिन मुसले को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ अध्यक्ष श्री रमेशचंद्र रघुवंशी को प्रदेश कार्यालय मंत्री पद पर पदस्थ किया गया है। इस नियुक्ति से नगर निगम उज्जैन के कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

सोमवार को नगर निगम उज्जैन के यूनियन कार्यालय में सफाई कामगार संघ, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के संरक्षक श्री रामचंद्र कोरट के मार्गदर्शन में म.प्र. नगर पालिका-नगर निगम महासंघ के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष नितिन मुसले एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री रमेशचंद्र रघुवंशी का फूलमालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर श्री कोरट ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध नगर पालिका-नगर निगम महासंघ बनने एवं महासंघ में उज्जैन नगर निगम को नेतृत्व मिलने से कर्मचारियों को प्रदेश स्तर की मांगों को सरकार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉ. पवन व्यास ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सर्वश्री रमेशचंद्र निगम, अजयप्रकाश मेहता, मनसुख मेहरवाल, संदीप कलोसिया, श्यामसुंदर शर्मा, रविन्द्र त्रिवेदी, शैलेन्द्र तेजी, धीरज कलोसिया आदि उपस्थित थे।

वेरे मजदूर संघ द्वारा उज्जैन में 6 से 8 फरवरी तक ध्यान शिविर का होगा आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

वेस्टर्न रेल्वे मजदूर संघ जो की रेल्वे कर्मचारियों का न. 1 संघठन है के द्वारा आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठन ₹आनंदम₹ के सहयोग से रेल कर्मचारियों तथा अन्य साधकों हेतु ह्लएक मुलाकात स्वयं से ह्व नामक शीर्षक से तीन दिवसीय विशेष ध्यान कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 6 से 8 फरवरी के दौरान रेलवे कम्युनिटी हॉल, पार्सल ऑफिस के पास, प्लेटफॉर्म नंबर 1, रेलवे स्टेशन, उज्जैन पर किया जा रहा है। जिसके दौरान प्रातः 9:15 बजे से सायं 6:15 बजे तक विभिन्न प्रकार की ध्यान विधि द्वारा प्रतिभागी आत्म-साक्षात्कार कर तनावमुक्त कार्यशैली, मधुर पारिवारिक एवं सामाजिक संबंध, स्वास्थ्य और खुशियों में वृद्धि, व्यवसाय एवं आय में प्रगति, ध्यान एवं शांति का अनुभव तथा सकारात्मक ऊर्जा को प्राप्त करने के आध्यात्मिक साधनों से साक्षात्कार कर सकता है

यह कार्यक्रम आत्म-विकास, मानसिक शांति और जीवन में संतुलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। आयोजकों का विश्वास है कि प्रतिभागी इस तीन दिवसीय यात्रा से अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में नई ऊर्जा और सफलता का अनुभव करेंगे। वेरे मजदुर संघ उज्जैन शाखा सचिव एवं शिविर संयोजक चैतन्य चौधरी ने अधिक से अधिक लोगों से शिविर का लाभ लेने की अपील की है जिसके लिए पूर्व पंजीयन आवश्यक रखा गया है '

ट्रैंडिंग

स्वच्छता साथियों के लिए संवाद सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन। 'वॉश ऑन व्हील' सेवा स्वच्छता की ओर एक प्रभावी कदम है। जनपद पंचायत बड़नगर की आत्मनिर्भर ग्राम पंचायत खेड़ावदा में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए वॉश ऑन व्हील (wow) सेवा प्रारंभ की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, सुलभ एवं टिकाऊ बनाने के उद्देश्य से 'स्वच्छता साथी 'वॉश ऑन व्हील' पहल की शुरुआत की गई है। यह नवाचार ग्रामीण अंचलों में घरेलू, संस्थागत एवं सामुदायिक शौचालयों की साफ-सफाई के लिए एक स्मार्ट, आधुनिक एवं मांग-आधारित समाधान उपलब्ध कराएगा ।यह सेवा मांग एवं पूर्ति के सिद्धांत पर आधारित एक ऑनलाइन प्रणाली है, जिसके अंतर्गत मोबाइल एप के माध्यम से आम नागरिक, परिवार के मुखिया अथवा संस्था प्रमुख शौचालय की साफ-सफाई के लिए स्वच्छता साथी को अनुरोध भेज सकेंगे। अनुरोध प्राप्त होते ही निर्धारित समय पर स्वच्छता सेवा उपलब्ध कराई जाएगी।

सिंहस्थ के मद्देनजर निर्मित किया जा रहा 50 किलोमीटर लम्बा फोरलेन एक्सप्रेस-वे

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर पर विकसित होंगी टीपीएस योजनाएं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

शासन ने तय किया है कि जितने भी महत्वपूर्ण फोरलेन कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं उन पर आवासीय, व्यवसायिक, औद्योगिक सहित आईटी से जुड़ी गतिविधियों को लाया जाए, जिसमें इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर भी शामिल है।

50 किलोमीटर लम्बा यह फोरलेन एक्सप्रेस-वे सिंहस्थ के मद्देनजर निर्मित किया जा रहा है, जिसमें भू-अर्जन की प्रक्रिया भी इन दिनों चल रही है।

इस कॉरिडोर सहित अन्य का निर्माण मध्यप्रदेश सडक विकास निगम यानी एमपीआरडीसी द्वारा कराया जा रहा है और अब उसमें कंसल्टेंट की नियुक्ति करने का भी निर्णय लिया है, जिसके लिए टेंडर के जरिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं।

इसमें भोपाल के पश्चिमी ग्रीन फील्ड बायपास सहित अन्य प्रोजेक्ट शामिल किए गए हैं। शासन का मकसद है कि इन फोरलेन कॉरिडोर के दोनों तरफ विभिन्न तरह की गतिविधियां विकसित कराई जाए, ताकि इन पर यातायात का दबाव तो बना ही रहे, साथ ही शहर विस्तार से जुड़ी योजनाओं का भी लाभ मिल सके।

अभी इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड कॉरिडोर के निर्माण की भी प्रक्रिया चल रही है, जिस पर लगभग 2 हजार करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी और इंदौर के पितृ पर्वत के पास से यह कॉरिडोर शुरू होगा, जो उज्जैन के चिंतामण गणेश तक बनेगा।

इस फोरलेन एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे के दोनों तरफ सर्विस लेन, 34 अंडरपास, दो फ्लायओवर और एक रेलवे ओवरब्रिज भी निर्मित होना है।

कुछ समय पूर्व ही लुधियाना की कम्पनी को इसके निर्माण का ठेका दिया गया है और अभी सांवेर के 20 सभी प्रमुख कॉरिडोर पर आएंगी आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक गतिविधियां, एमपीआरडीसी करेगा कंसल्टेंट की नियुक्ति, टेंडर के जरिए बुलवाए प्रस्ताव और हातोद के 28 गांवों की जमीनों के अधिग्रहण की प्रक्रिया भी चल रही है।

इसी तरह पिछले दिनों ही कैबिनेट ने भोपाल पश्चिमी ग्रीन फील्ड बायपास को भी मंजूरी दी और उसके साथ पूर्वी बायपास भी निर्मित होगा।

इसी तरह उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड राजमार्ग और सिंहस्थ बायपास के अलावा जबलपुर रिंग रोड और उससे जुडने वाली सडकों पर भी इस तरह की गतिविधियां शुरू की जाएगी।

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

इंदौर | उज्जैन | शुक्रवार, 06 फरवरी 2026 | www.awantika.com

न्यूज ब्रीफ

नजूल भूमि पर कब्जे की जानकारी अब भोपाल जाएगी

इंदौर। जिला प्रशासन के अधीन लीज रिन्यू यानी नजूल शाखा से इन दिनों फाइलें रुकी हुई हैं या तैयार हुई फाइलें भोपाल अब मार्गदर्शन के लिए भेजी जा रही हैं। दरअसल लीज रिन्यू को लेकर जमीन अलॉटमेंट के रिकॉर्ड को तलाशा जा रहा है और मध्य प्रदेश भूमि अधिनियम 2019 के अनुसार कंडिका 68, कंडिका 6 और कंडिका 8 के अनुसार फिर से चर्चा की जा रही है। बताया जा रहा है कि लीज रिन्यू के मामले में एक और जहां जनता परेशान हो रही है। वहीं बेहद धीमी गति से जिला प्रशासन कार्यालय के नजूल विभाग द्वारा भी काम किया जा रहा है, लेकिन नए नियमों व पुराने नियमों के बीच तालमेल को लेकर एवं सहकारिता विभाग के साथ-साथ कई तरह के संशोधन के मामलों को भी खंगाला जा रहा है ताकि लीज रिन्यू का जब अंतिम आदेश हो तब किसी तरह की परेशानी न हो।

इस पर भी ध्यान दिया जा रहा है। कई मामलों में जो काम लीज रिन्यू का काम पहले होना था। वह अब देरी से हो रहा है, नए नियमों के तहत भूमि का रिकॉर्ड भी देखा जा रहा है और यह भी देखा जा रहा है कि भूमि का आवंटन किन नियमों के तहत हुआ है जिसमें रियायत दर से जमीन दी गई है या नहीं दी गई है। इस तरह के कई पहलुओं पर एक बार फिर से विचार करके और रिकॉर्ड के अनुसार ही फाइलें तैयार हो रही हैं। इस तरह की फाइलों के कामकाज को लेकर कई तरह की परेशानियां भी सामने आ रही है। नजूल एसडीएम रोशनी पाटीदार ने बताया कि लीज रिन्यू के मामले में चर्चा की जा रही है और रिकार्ड भी देखे जा रहे हैं।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए आवेदन की तारीख बढ़ी

इंदौर। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए आवेदन की तारीख आगे बढ़ा दी है। वहीं, असिस्टेंट टाउन प्लानर के 39 पदों के लिए भर्ती का विज्ञापन जारी किया है। इसके लिए 20 सितंबर को एग्जाम होगा। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती के लिए अभ्यर्थी अब 10 मई से 9 जून तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले यह प्रक्रिया 27 फरवरी से 26 मार्च तक प्रस्तावित थी। इस फैसले से रएळ (स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट) देने वाले अभ्यर्थियों को सीधा फायदा मिलेगा, जो पहले आवेदन की समय सीमा के कारण बाहर हो सकते थे। सूत्रों के मुताबिक, रएळ का रिजल्ट अप्रैल में आने की संभावना है। MPPSC ने संकेत दिए हैं कि साल 2026 के अंत तक 10 से ज्यादा भर्ती परीक्षाओं के विज्ञापन जारी होंगे। इनमें एडीपीओ, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, मेडिकल एक्सपर्ट, डेंटल सर्जन, असिस्टेंट डायरेक्टर (एग्रीकल्चर), वैज्ञानिक अधिकारी, फूड सेफ्टी ऑफिसर, मेडिकल ऑफिसर के पद शामिल हैं। 26 अप्रैल से राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षाओं में थ्री-लेयर सिक्योरिटी सिस्टम लागू किया है।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

उज्जैन। भारत सरकार, जलशक्ति मंत्रालय, जल संसाधन विभाग, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग, केंद्रीय भूमिजल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र, भोपाल द्वारा भूजल प्रबंधन एवं विकास पर द्वितीय श्रेणी प्रशिक्षण कार्यक्रम जिला स्तर पर संबंधित विभागों के साथ स्रोत स्थायित्व और जल संरक्षण के साथ भूजल उपयोग के प्रभावी कार्यान्वयन और क्षमता निर्माण के उद्देश्य से 6 फरवरी तक जिला पंचायत उज्जैन के सभागृह में आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 04 फरवरी को क्षेत्रीय निदेशक, केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र भोपाल ए.के. बिस्वाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक, केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड भोपाल डॉ. राकेश सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कूमट की उपस्थिति में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन विभाग, नगर पालिक निगम, उज्जैन, म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, उज्जैन विकास प्राधिकरण, प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक, जल जीवन मिशन, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा सम्भाग, लोक निर्माण विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, परियोजना अधिकारी, मनरेगा, परियोजना संचालक नमामि क्षिप्रे परियोजना, (सहायक यंत्री) जल संसाधन विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंहस्थ महाकुंभ से पहले एक बार फिर प्रदेश सरकार द्वारा उज्जैन रेंज आईजी को सौंपी कमान

महाकाल दर्शन के बाद गुप्ता ने संभाला आईजी का पदभार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

साल 1999 बैच के आईपीएस राकेश गुप्ता ने गुरुवार को बाबा महाकाल के दर्शन किए और आईजी का पदभार संभाल लिया। राकेश गुप्ता पूर्व में भी उज्जैन के आईजी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सिंहस्थ महाकुंभ से पहले एक बार फिर प्रदेश सरकार द्वारा उज्जैन रेंज आईजी आईपीएस राकेश गुप्ता को सौंपी है। गुरुवार को वह उज्जैन पहुंचे, जहां ऑफिसर मैस पर अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों द्वारा उनकी अगवानी की गई और पुष्पगुच्छ भेंट किया। आईपीएस राकेश गुप्ता बाबा महाकाल के दर्शन करने पहुंचे और वहां से कार्यालय लौटकर पदभार ग्रहण किया। आईजी गुप्ता उज्जैन संभाग रेंज से भली भांति परिचित है। उज्जैन में एसपी, डीआईजी और आईजी के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके है। एक बार फिर उन्हें आईजी की कमान सौपी गई है। उन्हें वर्ष 2016 के सिंहस्थ महाकुंभ का अनुभव है, उसे वक्त डीआईजी के रूप में उज्जैन में पदस्थ थे। इस बार का सिंहस्थ महाकुंभ बड़े पैमाने पर होने जा रहा है, उनका अनुभव व्यवस्थाएं संभालने के लिए काफी अहम होगा। आईपीएस गुप्ता लंबे समय तक इंदौर में भी रहे हैं और इंदौर रेंज के आईजी, एसएसपी के साथ पुलिस कमिश्नर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

350 करोड़ के एलिवेटेड कॉरिडोर का काम जमीन पर, 4 साल से अटका

ट्रैफिक के बीच सॉयल टेस्टिंग शुरू

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में बनने जा रहे एलिवेटेड कॉरिडोर का काम शुरू हो गया है। एबी रोड से नवलखा तक बनने वाले 7.40 किमी लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर का काम पीडब्ल्यूडी ने धरातल पर शुरू कर दिया है। फिलहाल मिट्टी परीक्षण का काम चल रहा है, जिसके लिए सड़क के एक हिस्से को लोहे के पतरों से कवर किया गया है। पीडब्ल्यूडी 15 फरवरी से फाउंडेशन (नींव) भरने का काम शुरू करेगा। पीडब्ल्यूडी ने सेंट्रल लाइन मार्किंग का काम पूरा कर लिया है।

350 करोड़ की लागत वाला यह प्रोजेक्ट बीते चार साल से अधर में लटका हुआ था। फरवरी 2021 में ही गुजरात की राजकमल बिल्डर्स कंपनी को इसका वर्क ऑर्डर दे दिया गया था, लेकिन कभी डिजाइन में संशोधन तो कभी बस रूट और ट्रैफिक को लेकर यह प्रोजेक्ट विवादों में रहा। मामला हाईकोर्ट तक भी पहुँचा, लेकिन अंततः शासन ने पुराने डिजाइन पर ही काम शुरू करने का फैसला लिया है।

मंत्री विजयवर्गीय और कलेक्टर की हरी झंडी

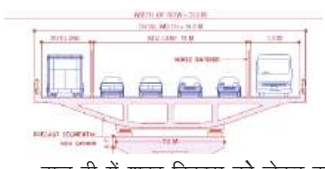

हाल ही में शहर विकास को लेकर हुई बैठकों में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस प्रोजेक्ट की समीक्षा की थी। उनके निर्देश और कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा दी गई मंजूरी के बाद अब निर्माण की बाधाएं दूर हो गई हैं। अधिकारियों का साफ कहना है कि डिजाइन में अब कोई बदलाव नहीं होगा और मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार ही काम आगे बढ़ेगा।

ट्रैफिक अलर्ट

आंशिक रुकावट, जल्द जारी होगा डायवर्जन प्लान वर्तमान में सॉयल टेस्टिंग के कारण सड़क पर अस्थायी टीन लगाए गए हैं। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनुसार, 15 फरवरी से जब भारी मशीनें मौके पर पहुंचेंगी और खुदाई शुरू होगी, तब ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर एक विस्तृत ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी किया जाएगा, ताकि वाहन चालकों को परेशानी न हो।

कॉरिडोर की खासियतः 4 लेन और 3 फ्लाईओवर

बीआरटीएस हटने के बाद एबी रोड पर एलआईजी चौराहे से नौलखा चौराहे तक 5.5 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा। रविवार को हुई बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। मुख्यमंत्री ने जरूरत के अनुसार इसके दायरे को बढ़ाने के निर्देश भी दिए हैं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की बैठक आयोजित

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की मासिक समीक्षा बैठक बुधवार दोपहर कलेक्टर कार्यालय सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में जिले में शिक्षा विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विभागों, समग्र शिक्षा अभियान (प्राथमिक एवं माध्यमिक), उच्च शिक्षा विभाग, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग, अनुसूचित जनजाति विभाग तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट और संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहें।बैठक में समग्र शिक्षा अभियान (प्राथमिक एवं माध्यमिक) के अंतर्गत शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा कर डीपीसी को आधार स्थिति में सुधार करने, विद्यार्थियों के आधार सीडिंग कार्य को प्राथमिकता देने तथा शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही विद्यालयों में शिक्षक एवं छात्र उपस्थिति की नियमित निगरानी करने तथा उपस्थिति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए गए। एडीपीसी को अटेंडेंस व्यवस्था को प्रभावी बनाने एवं आगामी मंडल/बोर्ड परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए गए

नौकरी से निकाला तो सामान हाईवे पर रखकर लगा दिया जाम

कलेक्टर के आश्वासन पर खुला रास्ता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

नौकरी से निकालने और परिवार के साथ मारपीट करने से नाराज एक परिवार के लोगों ने गुरुवार सुबह देवास रोड हाईवे पर घर का सामान रखकर जाम लगा दिया। अचानक लगे जाम के कारण काफी देर तक वाहन चालक परेशान होते नजर आए। देवास रोड पर लगे जाम की जानकारी लगते ही तुरंत कलेक्टर रोशन कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंचे और जाम करने वाले परिवार की फरियाद सुनकर तुरंत कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद यह जाम खुल सका है।

रामदयाल प्रजापत निवासी खातेगांव की किडनी खराब है और वह पिछले दो वर्ष से अस्पताल परिसर में ही झोंपड़ी बनाकर रह रहा था। अस्पताल प्रबंधन कई बार उसे झोपड़ी हटाने का बोल चुका था। बुधवार को भी इसी बात को लेकर अस्पताल के कर्मचारी से रामदयाल की कहासुनी हुई और प्रबंधन ने परिवार का सामान सड़क पर फेंकते हुए उन्हें परिसर से निकाल दिया। बस इसी बात से नाराज रामदयाल ने अपनी पत्नी द्वारिका और बच्चों के साथ उज्जैन-देवास हाईवे का रास्ता रोक दिया। जाम के कारण सैकड़ों वाहन दोनों ओर फंस गए। आखिर कलेक्टर की समझाइश के बाद जाम खुल सका।

45 मिनट लगा रहा

जाम करीब 45 मिनट लगा रहा। रामदयाल का आरोप है कि पत्नी के साथ मारपीट की गई है। रामदयाल का कहना है कि पहले भी अस्पताल प्रबंधन ने उसे हटाने की कोशिश की थी। मामले की शिकायत पुलिस से की गई, पर अस्पताल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उज्जैन में बन रहा पहला फूड जोन नैवेद्य लोक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन के नानाखेड़ा क्षेत्र में शहर का पहला फूड जोन ह्यनैवेद्य लोकह्ण अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। रात के समय रोशनी से जगमगाता यह परिसर अब उज्जैन के प्रमुख आकर्षण के रूप में उभरने लगा है। इंदौर की प्रसिद्ध छप्पन दुकान की तर्ज पर विकसित किए जा रहे इस फूड जोन में एक ही स्थान पर शाकाहारी और स्थानीय स्ट्रीट फूड का अनुभव मिलेगा। इसका उद्देश्य उज्जैन को धार्मिक नगरी के साथ-साथ स्वाद के केंद्र के रूप में स्थापित करना है। परिसर में कुल 34 दुकानें बनाई गई हैं, जहां स्थानीय व्यंजन, चाट, स्नैक्स, फास्ट फूड और कैजुअल डाइनिंग की सुविधा होगी। शुरूआत में 36 दुकानों का प्रस्ताव था, जिसे अंतिम रूप देते हुए 34 दुकानें तय की गई हैं। पूरे क्षेत्र को नो-व्हीकल जोन के रूप में विकसित किया गया है। यहां वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा, जिससे लोग आराम से घूमते हुए भोजन का आनंद ले सकें। बैठने की अच्छी व्यवस्था, महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित माहौल और खुले वॉकवे इस परिसर की खासियत होंगे। नैवेद्य लोक को आधुनिक लाइटिंग और ओपन डिजाइन के साथ तैयार किया गया है।

दो लाख 17 हजार रुपये की अवैध मदिरी जप्त

इंदौर। इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी ने बताया है कि आज गुरूवार आबकारी विभाग के अमले द्वारा वृत्त महू में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। उन्होंने बताया कि आबकारी अमले द्वारा महू के भौंडिया तालाब, सहित कुल 10 छापों स्थानों पर दबिश दी गयी।

मध्यप्रदेश बना फार्मर रजिस्ट्री के शत-प्रतिशत अनुपालन वाला पहला राज्य

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को सशक्त बनाने और कृषि व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। एआई आधारित डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से राज्य में ग्रामीण डेटा प्रणाली को एक नई दिशा प्रदान की गई है। उन्नत तकनीक, पारदर्शी डेटा प्रबंधन और केंद्र-राज्य समन्वय से यह पहल किसानों के हित में मजबूत डिजिटल आधार तैयार कर रही है। इससे किसानों को योजनाओं का वास्तविक लाभ सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से खेत पर उपस्थित होकर फसल की फोटो लेकर जानकारी सुरक्षित की जा रही है, जिससे फसल संबंधी डेटा पूरी तरह प्रमाणिक हो रहा है। जियो-फेंसिंग तकनीक से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सर्वे केवल वास्तविक खेत स्थल पर ही किया जाए।

एनएसयूआई ने जीएसीसी के प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

विद्यार्थी परिषद की गुंडागर्दी और कॉलेज में हस्तक्षेप के खिलाफ आक्रोश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय आर्ट्स एवं कॉमर्स कॉलेज में इंदौर ठरवक जिला अध्यक्ष रजत सिंह पटेल एवं प्रदेश प्रभारी ठाकुर रवि दांगी के निदेर्शानुसार विभिन्न छात्रहित मांगों को लेकर ऋअउउ अध्यक्ष शुभम ठाकुर एवं इंदौर ठरवक के नेतृत्व में प्राचार्य महोदया को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से स्पष्ट किया गया कि यदि शीघ्र ही हमारी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो इंदौर एनएसयूआई को उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से देव सिंह चौहान,कुणाल सुनहरे, विमल, तनमय सिंह राजपूत, शंकर राजपूत, सौरभ पटेल शामिल हुए।

- **मुख्य मांगेः–** हमें जानकारी प्राप्त हुई है कि कॉलेज के वार्षिक उत्सव में एबीवीपी के पूर्व एवं वर्तमान छात्र नेताओं को आमंत्रित किया जा रहा है। एनएसयूआई की स्पष्ट मांग है कि यदि किसी छात्र संगठन के नेताओं को आमंत्रित किया जाता है, तो ठरवकके भी पूर्व एवं वर्तमान सभी छात्र नेताओं को समान रूप से आमंत्रित किया जाए। अन्यथा, किसी एक संगठन विशेष के नेताओं को कॉलेज में आमंत्रित न किया जाए, जिससे निष्पक्षता एवं गरिमा बनी रहे।
- यह भी उल्लेखनीय है कि कॉलेज में पिछले 4-5 वर्षों से वार्षिक उत्सव का आयोजन नहीं हुआ है। अतः इस वर्ष आयोजित होने वाले वार्षिक उत्सव में यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी छात्र एवं छात्राओं के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए, ताकि कार्यक्रम सफल एवं छात्र हितैषी हो। 3. साथ ही, हम आपका ध्यान इस गंभीर विषय की ओर भी आकृष्ट कराना चाहते हैं कि पिछले दो दिन पूर्व ठरवकके एक छात्र प्रतिनिधि को ABVP के कार्यकर्ताओं द्वारा कॉलेज परिसर में प्रवेश करने से रोका गया, जो पूर्णतः अनुचित एवं निंदनीय है।

फिर पत्थर तराशने लगा

एक सुंदर जापानी कहानी है। एक आदमी चट्टानों को तराशने का काम करता था। वह कड़ी मेहनत करता, लेकिन कमाई कुछ खास नहीं होती। वह असंतुष्ट रहता था। वह आहें भरा करता। एक बार वह चिल्लाकर बोला, काश! मैं इतना धनवान होता कि रेशमी गद्दों पर आराम करता। स्वर्ग से एक देवदूत आया और बोला, तुमने जो कहा, तुम वही हो। वह आदमी धनवान हो गया, उसने रेशम के गद्दे पर खुद को बैठा हुआ पाया। तभी वहां से उस देश का राजा निकला। उसके रथ के आगे और पीछे घुड़सवार चल रहे थे और सिर के ऊपर सोने का छत्र लगा हुआ था। जब उस धनवान ने यह दृश्य देखा, तो वह अपनी स्थिति से असंतुष्ट हो गया। आहें भरते हुए चिल्लाया, मैं राजा बनना चाहता हूं। देवदूत फिर आया और बोला, तुमने जो कहा, तुम वही हो। अचानक उस धनवान ने खुद को रथ पर पाया। उसके आगे घुड़सवार चल रहे थे, पीछे घुड़सवार चल रहे थे और ऊपर छत्र लगा हुआ था। उस दिन सूरज तमतमाता हुआ धरती को ऐसे झुलसा रहा था कि जैसे सब कुछ स्वाहा हो जाएगा। राजा को शिकायत हुई कि सूरज की शक्ति उससे अधिक है। वह असंतुष्ट हो गया। वह चिल्लाया, मैं सूरज होना चाहता हूं। देवदूत आया और कहा, तुमने जो कहा, तुम वही हो। राजा सूरज बन गया। उसने धरती की सारी खर-पतवार जला दी और पृथ्वी के तमाम राजाओं के काफिलों को झुलसा दिया। फिर एक बादल आया और उसके व पृथ्वी के बीच अड़ गया। इस तरह, वह बादल बन गया बादल ने धरती पर मोटी-मोटी बूंदें बरसाईं, जिनसे नदियों में बाढ़ आ गई, घर बह गए, खेत तबाह हो गए। उसकी बूंदें एक चट्टान पर गिरीं, जो टस से मस न हुई। बादल क्रोधित हो गया, क्योंकि चट्टान उसकी शक्ति के सामने झुक नहीं रही थी। वह चिल्लाया, मैं चट्टान होना चाहता हूं। देवदूत ने चट्टान बना दिया। तभी एक आदमी छैनी व हथौड़ी लिए हुए आया और चट्टान को तराशने लगा। चट्टान ने सोचा कि इस आदमी के पास इतनी शक्ति कैसे है, जो मेरी छाती से पत्थर तराश रहा और वह असंतुष्ट हो गया। वह चिल्लाया, मैं कमजोर हूं। मैं आदमी बनना चाहता हूं। देवदूत ने फिर से उसे संगतराश बना दिया। अब भी वह कड़ी मेहनत करता और थोड़ी सी कमाई होती, मगर उसी में संतुष्ट था। संतोष का अर्थ उस सबके प्रति बोध से भरना है, जो तुम्हारे पास है। यदि तुम्हें एक झलक भी मिल जाए कि कितना कुछ तुम्हें मिला हुआ है, तो क्या तुम्हारी अपेक्षा रह जाएगी? अधिक की अपेक्षा करना मात्र अनुग्रह की कमी है। यदि तुम पूरे परिप्रेक्ष्य को देख पाओ, तो जो तुम्हें मिला है, तो उसके प्रति अहोभाव से भर जाओगे।

सम्पादकीय

सियासी सरगर्मी

देश में सियासी सरगर्मी बहुत तेज हो गई है। सबसे पहले, मणिपुर में फिर चुनी हुई सरकार की वापसी सुखद और स्वागतयोग्य है। मई 2023 से ही संघर्षग्रस्त मणिपुर में राष्ट्रपति शासन बुधवार को औपचारिक रूप से हटा लिया गया, जिससे युमनाम खेमचंद सिंह के नेतृत्व में राज्य में नई भाजपा सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त हुआ। मणिपुर को नया मुख्यमंत्री मिलना जरूरी था। अव्वल तो भाजपा स्थानीय आंतरिक तनाव की वजह से पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को शुरू में हटा नहीं सकी थी और अब जो नियुक्ति हुई है, वह भी देर से हुई कही जाएगी। यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि मणिपुर में भाजपा को एक नई शुरूआत करनी पड़ेगी। मणिपुर में अगले साल विधानसभा चुनाव है। ऐसा लग रहा है कि नई सरकार में भाजपा जातीय समीकरण को ठीक से बिठाकर चलेगी। वहां जातीय तनाव को नियंत्रित रखना होगा, हालांकि, यह आसान काम नहीं है। ध्यान रहे, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मणिपुर की चर्चा भी करते हुए भाजपा और प्रधानमंत्री पर निशाना साधा है। संकेत साफ है कि मणिपुर में सियासत अब विधानसभा चुनाव तक ऐसे ही गर्म रहेगी।

दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल की राजनीति ने मानो दिल्ली में डेरा डाल रखा है। स्वयं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली में भाजपा और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा संभाल रखा है। दर्ज करने लायक बात है कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में पैरवी करने वाली ममता पहली मुख्यमंत्री बन गई हैं। ममता बनर्जी को शुरु से लग रहा है कि पश्चिम बंगाल को चुनाव आयोग निशाना बना रहा है, ताकि भाजपा को लाभ पहुंचाया जा सके। हालांकि, एसआईआर की कवायद अन्य राज्यों में भी चल रही है, पर सर्वाधिक चिंता शायद पश्चिम बंगाल में है। ममता बनर्जी की इस सक्रियता से यही संकेत गया है कि वह पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ हैं। सर्वोच्च न्यायालय में इसे रोकने के लिए पहले भी कोशिश हुई है, पर वहां किसी को कामयाबी नहीं मिली है। क्या ममता बनर्जी को कामयाबी मिलेगी? एसआईआर को लेकर उनकी परेशानी समझ से परे है, क्योंकि चुनाव आयोग राज्य सरकार के कर्मचारियों के भरोसे ही काम करता है। सरकार के बीएलओ और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीएलए, दोनों मिलकर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि एसआईआर सोलह आना सही ढंग से पूरा हो।

लोक संस्कृति के दर्शन

भगोरिया पर्व का स्वागत करें

संजय वर्मा
दैनिक अवन्तिका

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में भगोरिया पर्व,मनाया जाता हैगाँवों मे बरसों से साप्ताहिक हाट लगते हैं और दूर दराज से हमारे आदिवासी भाई -बहन खरीदारी करने आते हैंहोली के पहले लगने वाला साप्ताहिक हाट भगोरिया हाट होता है जिसे स्थानीय भाषा में भोंगरिया कहा जाता है ,भगोरिया हाट से पहले लगने वाला हाट त्योहारिया हाट और भगोरिया हाट के बाद लगने वाला हाट उजाड़िया हाट कहलाता हैधार जिले की ही बात करें तो मार्च से लगने वाले भगोरिया में लगभग 59 हाट लगते है ।प्रमुख भगोरिया हेतु जिस दिन जिस गांव में भगोरिया हाट हो उस दिन का स्थानीय अवकाश भी घोषित हो तो पर्व मनाने एवं पर्व देखने हेतु लोक संस्कृति के दर्शन के साथ नृत्य,गीत,संगीत को समझ के साथ पर्व का आनन्द अन्य लोगों एवं जो शासकीय कर्मचारी है विशेषकर उन्हें स्थानीय अवकाश घोषित होने पर भगोरिया पर्व देखने में शामिल होने का पर्व लाभ मिल सकें।भगोरिया पर्व :लोक गीत,संगीत,नृत्य और प्रकृति सौंदर्य में आदिवासी नारी की भूमिका सर्वश्रेष्ठ रहती है।कई जिलों में जैसे झाबुआ में भगोरिया पर्व लेकर प्रशासन द्वारा विशेष तैयारी की जा रही जो कि प्रंशसनीय है। पर्यटकों के लिए सभी सामग्री एक स्थान पर मिलना,सेल्फी पॉइंट बनाना,विधुत व्यवस्था झूला व्यवस्था नाश्ते के लिए स्टॉल ,भोजन के लिए कक्ष , बड़े धार्मिक स्थलों पर जैसे उज्जैन ,नासिक आदि पर भगोरिए के प्रचार प्रसार के लिए कटआउट लगाए जाएसाथ ही प्रदेश के महाविधालय के विधार्थियों को भगोरिए मेले में बुलाकर आदिवासी संस्कृति से रूबरू करने जैसे सुझाव भी दिए जाऐ भगोरिया पर्व मध्यप्रदेश के धार,झाबुआ ,आलीराजपुर ,खरगोन आदि के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में नृत्य ,संगीत ,लोक गायन ,एक जैसे ड्रेस कोड वाले सुन्दर परिधान,चांदी के सुन्दर पहनावे के साथ धूमधाम से मनाया जाता है` भगोरिया पर लगने वाले हाट -बाजार मेले का रूप ले लेते है`मेले में अपनी जरुरत की वस्तुएं खरीदते है`भगोरिया प्रारम्भ समीप शिव मंदिर से किया जाता हैजिलों में भगोरिया की तारीख पहले तय की जाती है` होली जलने के लगभग एक सप्ताह पूर्व से मनाया जाता है` भगोरिया के पश्चात पड़ने वाले हाट -बाजार को उजाड़िया बाजार भी कहा जाता है`बांसुरी ,घुंघरू ,मांदल ,बहुत बड़े आकर का ढोल ,थाली ,छतरी ,रुमाल आदि को लेकर नृत्यकिया जाता है` फागुन मौसम छटा बिखेरकर पर्व को दर्शनीय बनाता है`भगोरिया पर्व नजदीक आने को है` भगोरिया पर्व आते ही वासन्तिक छटा मन को मोह लेती है वही इस पर्व की पूर्व तैयारी करने से ढोल ,बांसुरी की धुनों की मिठास पूर्व से ही कानों मे मिश्री घोल देती है व उमंगो में एक नई ऊर्जा भरती है दूरस्थ गाँव के रहने वाले समीप भरे जाने वाले हाट (विशेष कर पूर्व से निर्धारित लगने वाले भगोरिया) मे सज-धज के जाते है`युवक-युवतिया झुंड बनाकर पैदल भी जाते है`ताड़ी के पेड़ पर लटकी मटकिया जिसमे ताड़ी एकत्रित की जाती है ताड़ी के वृक्षों पर बेहद खुबसूरत नजर आती है`खजूर ,आम आदि के हरे -भरे पेड़ ऐसे लगते है`मानों ये भगोरिया मे जाने वालो का अभिवादन कर रहे हो ,फागुन माह में आम के वृक्षों पर नए मोर और पहाड़ो पर खिले टेसू का ऐसा सुन्दर नजारा होता है मानों प्रकृति ने अपना अनमोल खजाना खोल दिया हो देश ही नहीं अपितु विदेशों से भी इस पर्व को देखने विदेशी लोग कई क्षेत्रों में आते है लोक संस्कृति के पारम्परिक लोक गीतों को गाया जाकर माहौल मे एक लोक संस्कृति का बेहतर वातावरण देखने को मिलता हैसाथ ही प्रकृति और संस्कृति का संगम हरे -भरे पेड़ो से निखर जाता है`कई क्षेत्रों में जंगलो के कम होने से व गाँवों के विस्तृत होने से कई क्षेत्रो मे कम्पौंड के अन्दर ही नृत्य कर भगोरिया पर्व मनाया जाने लगा है । भगोरिया उत्सव के दौरान लोक संगीत हेतु बड़े आकार का विशेष प्रकार का ढोल नृत्य घेरे के मध्य खड़े होकर लोक संगीत बजाया जाता है`लोक संगीत हेतु बड़े आकार का विशेष प्रकार का ढोल नृत्य घेरे के मध्य खड़े होकर लोक संगीत बजाया जाता है` इसके संगीत में चुंबकीय आकर्षण होता है` इसके एक तरफ आटा लगा के बजाया जााता।लोक संगीत से जुड़े बड़े आकार के वाद्य यंत्रों का महत्व आज तक बरकरार है` इन वाद्य यंत्रो से निकले लोक संगीत के आनंद की बात ही कुछ और है इसके संगीत में चुंबकीय आकर्षण होता है` इस ढोल की प्रेक्टिस व तैयारी एक माह पूर्व से की जाती है` लोक संगीत ,लोक गीतों लोक नृत्य, लोक गायन , लोक कला कृति आदि के उपासकों द्वारा इन्हें संजोए रखने का कार्य प्रशंसनीय तो है ही साथी भावी पीढ़ी को इनकी विशेषता से परिचित भी करवाता है`मेले में आदिवासी महिलाएं टेटू पारंपरिक रूप से बनवाती है।इसके अलावा आभूषण जो चांदी से निर्मित होते है।पूरे शरीर पर आभूषण सुंदर डिजाइन के और उन आभूषण को भिन्न भिन्न नाम से जाना जाता है।वर्तमान में चांदी भाव आसमान छू रहे है` महिलाएं इन्हें पहन कर आती है इसमें सभी ग्रुप की ड्रेस कोड बड़ी सुंदर होती।लोक गीतों का भी समावेश बांसुरी संग किया जाता है।भगोरिया नृत्य टीम को सम्मानित किया जाता है दिल्ली में राष्ट्रीय पर्व पर भगोरिया पर्व की झांकी भी निकाली जाती है ।झाबुआ /आलीराजपुर /धार /खरगोन ,आदि जिलों के गांवों के निर्धारित की जाने वाले दिनांक को लगने वाले क्षेत्रीय हाट- बाजारों में भगोरिया पर्व को बेहतर तरीके से लोक गीतों पारंपरिक वाद्य यंत्रों के संगीत के साथ एवं लोकनृत्य से अपनी लोक संस्कृति को विलुप्त होने से बचाते आरहे है ।इसका हम सभी को गर्व है ।

कागज के शेर और समोसे का फेर

शहर की धूल फाँकती एक तंग गली के आखिरी छोर पर 'साहित्यिक पुनरुत्थान परिषद' का बैनर ऐसे लटक रहा था, मानो अपनी बदहाली पर खुद ही आंसू बहा रहा हो। कार्यक्रम का नाम था 'अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन', जिसमें 'अखिल भारतीय' शब्द का भार केवल उन कवियों के कंधों पर था, जो पड़ोस के जिलों से रोडवेज की खटारा बसों में धक्के खाकर आए थे। मंच पर बिछी सफेद चादर पर इतने दाग थे कि वे खुद किसी रहस्यमयी कविता के प्रतीक मालूम पड़ते थे। आयोजक महोदय की सक्रियता ऐसी थी कि वे हर दो मिनट में माइक को ठोककर यह सुनिश्चित कर रहे थे कि 'हल्लो-हल्लो' की आवाज मोहल्ले के उस कुत्ते तक जरूर पहुँचे, जो इस आयोजन का एकमात्र निष्पक्ष श्रोता था। श्रोताओं के नाम पर वही दस-बारह लोग थे, जिन्हें समोसे और चाय का लालच देकर रोका गया था, और जो बार-बार अपनी घड़ी की तरफ ऐसे देख रहे थे जैसे कि जेल से रिहाई का वक्त करीब आ रहा हो।

मंच संचालन की कमान एक ऐसे सज्जन के हाथ में थी, जिनकी अपनी कविताएँ इतनी लंबी थीं कि उन्हें पढ़ने के लिए श्रोताओं को पुनर्जन्म लेना पड़े। उन्होंने संचालन शुरू करते ही हिंदी साहित्य के गिरते स्तर पर साढ़े तीन मिनट का विलाप किया, जिसमें उन्होंने स्वयं को 'साहित्य का आखिरी पहरेदार' घोषित कर दिया। बीच-बीच में वे किसी कवि का परिचय देते हुए विशेषणों की ऐसी झड़ी लगाते कि लगता साक्षात कालिदास या तुलसीदास बस अभी रोडवेज की बस से उतरे ही हैं। जब उन्होंने पहले कवि को आमंत्रित किया, तो उनके शब्दों में इतनी चाशनी थी कि पास रखे पानी के गिलास में चींटियाँ लगने का डर पैदा हो गया। कवि महोदय मंच पर ऐसे पधारे जैसे कि नोबेल पुरस्कार उनके स्वागत में पलकें बिछाए खड़ा हो। उन्होंने अपनी जेब से कागजों का एक ऐसा गट्ठर निकाला, जिसे देखकर पहली पंक्ति में बैठे बुजुर्ग ने गहरी आह भरी और अपनी लाठी संभालकर निकलने का मन बना लिया। कवि जी ने माइक को अपनी नाक के इतने करीब सटा लिया कि उनकी सांसों की आवाज किसी चक्रवाती तूफान जैसी सुनाई देने लगी। उन्होंने पहले दो मिनट तक इस बात पर शोधपरक भाषण दिया कि आज का कवि कितना उपेक्षित है और कैसे सरकार को कवियों के लिए कम से कम 'पेंशन और मुफ्त हवाई यात्रा' का प्रबंध करना चाहिए।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 06 फरवरी 2026
शुक्रवार
सूर्योदय - 07:09 सूर्यास्त 18:13
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 10:30 से 12:00 तक
तिथि - पंचमी 25:19 उपरांत षष्ठी
नक्षत्र - हस्त 24:24 उपरांत चित्रा
योग - धृति 23:37 उपरांत शूल
करण - कौलव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण कन्या में रहेगा
मुस्लिम मास - सावान मास 17 तारिख

मेष- पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ- जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा।

मिथुन- पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी।

कर्क- जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें।

सिंह- पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा।

कन्या- स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है।

तुला- ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्‌?य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक- राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे।

धनु- राजमान प्राप्त होगा। नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर- प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें।

कुंभ- पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा। व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा।

मीन- दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

गुरुकुल से गूगल तक : ज्ञान की नहीं, चेतना की यात्रा

स्नेहलता श्रीवास्तव
(दैनिक अवन्तिका)

गुरुकुल से गूगल तक की यात्रा को केवल शिक्षा-पद्धति के परिवर्तन के रूप में नहीं देखा जा सकता है, यह यात्रा वास्तव में मनुष्य की अंतःचेतना की यात्रा है। पहले ज्ञान साधना था, फिर साधन बना और अब उपभोग की वस्तु होता जा रहा है। यह यात्रा स्मृति से स्क्रीन तक, मौन से शोर तक और बोध से सूचना तक फैली हुई है।

गुरुकुल भारतीय संस्कृति की वह आयाम था जिसमें शिक्षा जीवन से अलग कोई संरचना नहीं थी। गुरु वहाँ केवल विषय का ज्ञाता नहीं, बल्कि जीवन की लय से जुड़ा हुआ पथप्रदर्शक था। शिष्य की आँखों में जिज्ञासा होती थी, उतावलापन नहीं। ज्ञान वहाँ धीरे-धीरे उतरता था - जैसे वर्षा की बूँदें मिट्टी में समाकर उसे उर्वर बनाती हैं। वहाँ शिक्षा का उद्देश्य उत्तर देना नहीं, प्रश्न को परिपक्व करना था।

गुरुकुल का वातावरण प्रकृति के सान्निध्य में रचा गया था। वृक्ष, नदी, अग्नि और आकाश - सब शिक्षा के मौन सहपाठी थे। गुरु का एक वाक्य, एक दृष्टि, कभी-कभी केवल मौन, शिष्य के भीतर दीर्घकालिक स्पंदन उत्पन्न कर देता था। वहाँ ज्ञान का संचय नहीं, संस्कारों का बीजारोपण होता था। इसलिए शिक्षा आचरण बनती थी, जीवन का स्वभाव बनती थी। समय के साथ समाज की गति बदली। नगर बसे, व्यवस्थाएँ जटिल हुईं और शिक्षा संस्थानों में सीमित होने लगी। यह परिवर्तन आवश्यक था, क्योंकि ज्ञान को व्यापक होना था। पुस्तकों ने स्मृति को विस्तार दिया, विश्वविद्यालयों ने विचारों को मंच दिया, और विज्ञान ने मनुष्य को प्रश्न करने का साहस दिया। यह वह काल था जहाँ शिक्षा ने मनुष्य को बाह्य जगत को समझने और रूपांतरित करने की क्षमता दी। परंतु गूगल के युग में प्रवेश करते-करते शिक्षा का स्वरूप पुनः बदल गया। अब ज्ञान साधना नहीं, तत्काल उपलब्धता है। प्रश्न पूछने से पहले उत्तर स्क्रीन पर चमक उठता है। स्मृति की जगह खोज ने ले ली है और अनुभूति की जगह सूचना ने। आज मनुष्य बहुत कुछ जानता है, पर कम ही समझता है।

गूगल युग की सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं कि ज्ञान सतही हो गया है, बल्कि यह है कि मनुष्य का ठहराव खो गया है। वह जानने की प्रक्रिया में नहीं, केवल परिणाम में रुचि रखता है। पढ़ना अब संवाद नहीं रहा, स्क्रॉल बन गया है। सोचने से पहले हम खोजते हैं, और खोजने के बाद सोचने की आवश्यकता महसूस नहीं करते।

गुरुकुल में गुरु ज्ञान का संस्कारकर्ता था - गूगल में ज्ञान निराकार, अनिर्दिष्ट और निर्वैयक्तिक है। वहाँ सत्य-असत्य का भेद शिष्य की चेतना के स्तर पर होता था; यहाँ वह एल्गोरिद्म और प्रवृत्ति के हवाले है। चयन का अधिकार हमारे पास है, पर चयन की क्षमता (विवेक) दिनोंदिन क्षीण होती जा रही है। फिर भी यह कहना उचित नहीं कि गूगल युग केवल पतन का प्रतीक है। प्रत्येक युग अपनी संभावनाएँ लेकर आता है। गूगल ने ज्ञान के द्वार सबके लिए खोल दिए हैं। प्रश्न यह नहीं कि माध्यम क्या है - प्रश्न यह है कि हम उससे क्या बनने का साहस रखते हैं। आज आवश्यकता गुरुकुल की भौतिक पुनर्स्थापना की नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को बचाए रखने की है। हमें ऐसे गुरु चाहिए जो सूचना के इस अरण्य में दिशा दे सकें। ऐसे शिक्षण-संस्कार चाहिए जो तकनीक का उपयोग करें, पर मनुष्य को मशीन न बनने दें। जहाँ प्रश्न पूछना फिर से साहस हो, और मौन फिर से अर्थवान बने। गुरुकुल से गूगल तक की यात्रा तब ही पूर्ण और सार्थक होगी, जब तकनीक मनुष्य की चेतना को संकुचित नहीं, विस्तृत करे; जब शिक्षा रोजगार से आगे बढ़कर उत्तरदायित्व सिखाए; और जब मनुष्य यह समझ सके कि जान लेना ही पर्याप्त नहीं है, समझकर जीना ही ज्ञान का चरम है।

सेहत की बात: पोषक तत्वों का खजाना टिण्डा की सब्जी

टिंडा एक ऐसी सब्जी है जो पोषक तत्वों का खजाना है. भले ही आपको इसका स्वाद पसंद ना आए लेकिन इससे सेहत को खूब सारे फायदे मिलते हैं. ये रंग रूप में बिल्कुल लौकी जैसा होता है. इसमें कैलरी कम और पानी की काफी ज्यादा मात्रा होती है.इसलिए इसे गर्मी में खाना फायदेमंद होता है.इससे शरीर हाइड्रेट रहता है. वहीं इसके पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें आयरन, पोटेशियम, विटामिन ए, विटामिन सी, कैलशियम नियासिन, एंटीबैक्टीरियल एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो बीपी सहित कई बीमारियों में फायदा पहुंचा सकते हैं.आइए जानते हैं इससे मिलने वाले फायदे के बारे में-

टिंडा खाने के फायदे

1. टिंडे में करीब 94% पानी की मात्रा होती है और इसमें फाइबर की मात्रा भी प्रचुर होती है जो मोटापा कम करने में मददगार है. रोजाना टिंडे की सब्जी या जूस का सेवन करने से वजन कंट्रोल में रह सकता है.
2. पाचन संबंधी समस्याओं में भी आप डाइट में टिंडे शामिल कर सकते हैं. टिंडे में पाए जाने वाले गुण पाचन को बेहतर रखने में मदद कर सकते हैं. टिंडे के अंदर फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो आपकी आंत का ध्यान रखता है और मल त्यागने में आसानी करता है
3. टिंडे में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है. इस कारण मधुमेह के रोगियों के लिए यह बहुत फायदेमंद साबित होता है. टिंडे के छिलके में फोटोकेमिकल होते हैं जो रक्त शर्करा को कम करने में मदद करता है. ताजा टिंडे की सब्जी बना कर खाना मधुमेह के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है.
4 .टिंडे में ग्लोबुलीन नामक प्रोटीन पाए जाते हैं जो हमारे रक्त में भी होते हैं. ये बीमारियों से लड़ने में हमारी सहायता करते हैं. डॉक्टर भी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए टिंडे के बीजों को खाने की सलाह भी देते हैं, क्योंकि बीजों में भी फैटी एसिड और प्रोटीन पाए जाते हैं.
5. हाई बीपी वाले लोगों को भी टिंडे का सेवन करना चाहिए. इससे काफी हद तक उच्च रक्तचाप को काबू में किया जा सकता है. इसमें कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के विभिन्न होते हैं.
6. टिंडे का सेवन यूरिन इंफेक्शन को दूर करने में मदद कर सकता है. दरअसल टिंडे में पानी की मात्रा खूब होती है जो यूरिन इन्फेक्शन से आपको बचा सकता है. इसके अलावा यह कब्ज, ब्लोटिंग जलन, गैस की समस्या में भी आराम पहुंचा सकता है.
7. टिंडे के सेवन से आपकी त्वचा कोमल और निखरी हुई बन सकती है. दरअसल टिंडे के अंदर विटामिन इ पाई जाती है. यह आपके स्किन को सॉफ्ट बनाने और उसे मॉइश्चराइज करने के काम आती है. इसके अलावा स्किन से जुड़ी समस्या जैसे एलर्जी, फंगल इंफेक्शन से भी छुटकारा दिलाने में मदद करती है.
8. टिंडे का सेवन बुखार से भी लड़ने में मदद करता है. क्योंकि यह प्रतिरक्षा तंत्र को बढ़ाने में मदद करता है, जिससे सामान्य बुखार के लक्षणों में कमी आती है.

धर्म-आस्था

क्यों नर्मदा का हर कंकर कहलाता है शंकर

भारत की धार्मिक चेतना में नर्मदा केवल एक नदी नहीं, बल्कि साक्षात शिवस्वरूपा मानी गई है। गंगा जहाँ स्नान से पवित्र करती है, वहीं नर्मदा दर्शन मात्र से ही पापों का नाश करने वाली कही गई है। इसी आस्था का सबसे गहरा और विलक्षण सूत्र यह विश्वास है कि नर्मदा नदी का हर पत्थर शिवलिंग है—अर्थात। नर्मदा का हर कंकर शंकर है।। यह कथन केवल लोकविश्वास नहीं, बल्कि पुराणों, कथाओं और सदियों की साधना से उपजा हुआ आध्यात्मिक सत्य माना गया है।

नर्मदा तट से प्राप्त होने वाले प्राकृतिक, अंडाकार शिवलिंग को नर्मदेश्वर या बाणलिंग कहा जाता है। इन्हें स्वयंभू माना गया है, अर्थात इन्हें स्थापित करने के लिए प्राणप्रतिष्ठा की आवश्यकता नहीं होती। शास्त्रों में वर्णन है कि मिट्टी या साधारण पत्थर से बने शिवलिंग के पूजन की अपेक्षा स्वर्णनिर्मित शिवलिंग अधिक फलदायी है, उससे भी अधिक फल मणि से बने शिवलिंग का है, किंतु इन सबसे करोड़ों गुना अधिक पुण्य नर्मदेश्वर शिवलिंग के पूजन से प्राप्त होता है। यही कारण है कि गृहस्थ जीवन में इसे अत्यंत कल्याणकारी माना गया है। नर्मदेश्वर की पूजा से स्थिर लक्ष्मी, पारिवारिक शांति और सिद्धियों की प्राप्ति का वर्णन मिलता है। सामान्य शिवलिंग पर चढ़ाई गई वस्तुएँ ग्रहण नहीं की जातीं, परंतु नर्मदेश्वर का प्रसाद स्वीकार्य माना गया है—यह इसकी विशिष्टता है।

इस आस्था के मूल में स्कंदपुराण में वर्णित एक दिव्य कथा है। कथा के अनुसार, भगवान शिव ने चातुर्मास काल में देवी पार्वती को विष्णु के द्वादशाक्षर मंत्र का जप करते हुए तपस्या करने की आज्ञा दी। पार्वती हिमालय में तप में लीन हो गईं और भगवान शिव पृथ्वी पर विचरण करने लगे। यमुना तट पर भ्रमण करते हुए जब शिव यमुना में स्नान हेतु उतरे, तो उनके तेज से यमुना का जल श्याम हो गया। यमुनाजी ने प्रकट होकर उनकी स्तुति की और शिव ने उस क्षेत्र को हरतीर्थ का नाम दिया।

इसके पश्चात शिव अपने दिगंबर स्वरूप में, डमरु धारण किए, जटाजूट और त्रिपुण्ड के साथ मुनियों के आश्रमों में विचरण करने लगे। उनका यह रूप लीला और वैराग्य का अद्भुत संगम था। शिव का दिगंबर स्वरूप इंद्रिय-विजय का प्रतीक है—जो इंद्रियों पर विजय पा ले, वह नग्न होकर भी वस्त्रधारी होता है, और जो इंद्रियासक्त है, वह बहुमूल्य वस्त्र पहनकर भी नग्न ही रहता है। किंतु मुनियों ने शिव को पहचानने में भूल की। उनके इस रूप से क्रोधित होकर उन्होंने शिव को शाप दे दिया कि वे लिंगरूप हो जाएँ।

शिव अंतर्ध्यान हो गए और उनका लिंगरूप अमरकंटक पर्वत के रूप में प्रकट हुआ। उसी दिव्य क्षण से नर्मदा का प्राकट्य हुआ। इसीलिए कहा गया कि नर्मदा में स्थित प्रत्येक प्रस्तरखण्ड शिवलिंगरूप है। यह केवल भौतिक पत्थर नहीं, बल्कि शिवतत्त्व का प्रतीक है—स्थिर, मौन और चेतन।

नर्मदेश्वर से जुड़ी एक अन्य कथा नर्मदा की तपस्या को उजागर करती है। प्राचीन काल में नर्मदा ने ब्रह्मा को प्रसन्न करने के लिए दीर्घ तप किया और वरदान में गंगा के समान पूज्य बनने की इच्छा व्यक्त की। ब्रह्मा ने कहा कि जैसे शिव, विष्णु, पार्वती और काशी की कोई समानता नहीं कर सकता, वैसे ही गंगा की भी कोई समानता नहीं कर सकता। यह सुनकर नर्मदा ने वह वरदान त्याग दिया और काशी जाकर शिवलिंग की स्थापना कर तप करने लगीं। शिव उनकी निष्काम भक्ति से अत्यंत प्रसन्न हुए।

भगवान शिव ने नर्मदा को वरदान दिया कि उनके तट का प्रत्येक पत्थर शिवलिंगरूप होगा और नर्मदा दर्शन मात्र से ही समस्त पापों का नाश करेंगी। साथ ही नर्मदेश्वर शिवलिंग को पुण्य और मोक्ष देने वाला घोषित किया। शिव स्वयं उस लिंग में लीन हो गए। इसी कारण नर्मदा को मोक्षदायिनी कहा गया।

नर्मदा की यह महिमा केवल ग्रंथों में सीमित नहीं है। सदियों से साधु-संतों की नर्मदा परिक्रमा, गृहस्थों की श्रद्धा और जनमानस की आस्था ने इसे जीवंत रखा है। नर्मदा हमें यह सिखाती है कि धर्म केवल कर्मकांड नहीं, बल्कि भक्ति, वैराग्य और करुणा का मार्ग है। यही कारण है कि नर्मदा का एक-एक कंकर श्रद्धा में शिव बन जाता है। नर्मदा भारतीय संस्कृति की वह धारा है, जहाँ प्रकृति और परमात्मा का भेद समाप्त हो जाता है—और पत्थर भी पूज्य हो उठता है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 1000-2975 चना काबली- 2910-8470, चना बड़ा- 5160-5915, बटला- 3317, रायड़ा- 7580, उड़द- 4350, धनिया- 8551, सोयाबीन- 1751-6212, मैथीदाना- 4720, असली- 6100, मावा- 280 प्रतिकिलो। **सोना-चाँदी-** सोना- स्टेण्र्ड- 1,57,500, रवा- 1,57,300 चांदी- टंच- 2,62,000 पाट- 2,61,200।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

जन सहयोग से गुप्तेश्वर महादेव दास हनु-मान मंदिर के सौंदर्यीकरण का कार्य शुरु

महिदपुर रोड। ग्राम गोगापुर गांव के तालाब किनारे स्थित मुक्तेश्वर महादेव तथा दास हनुमान मंदिर के सौंदर्यी करण का कार्य मंगलवार को संत जनों तथा श्रद्धालुओं की उप स्थिति में शुभ मुहूर्त में प्रारंभ हुआ। मंदिर के पुजारी लखन बैरागी ने जानकारी देते हुए बताया उक्त मंदिरों के सौंदर्यीकरण तथा अधूरा निर्माण कार्य वर्षों से लंबित था जिसका बीड़ा नगर के युवाओं ने जन सहयोग से उठाया ग्राम गोगापुर महिदपुर सहित आसपास के गांव के श्रद्धालुओं ने मुक्त हस्त से मंदिर सौंदर्यीकरण तथा अपूर्ण निर्माण को पूर्ण करने के लिये आर्थिक सहयोग करने के संकल्प के साथ तन और मन सहयोग देना शुरू किया पुजारी लखन बैरागी ने बताया शीघ्र ही कार्य पूर्ण कर मंदिर को श्रद्धालुओं की भावना के अनुरूप एक पूर्ण धार्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा बैरागी ने बताया इस कार्य में सभी समाजों के प्रमुखों का सहयोग प्राप्त हो रहा है निर्माण तथा सौंदर्यी करण के कार्य को विचारों रूप से संचालित करने के लिये नगर के युवा समाजसेवी संतोष विश्वकर्मा (भूरा सेठ) के नेतृत्व में युवाओं की टीम वरिष्ठों के मार्गदर्शन में निरंतर कार्य कर रही है।

राजस्थान पुलिस के एक दर्जन वाहनों ने दी दबिश, माचलपुर में ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़

सुसनेर। गत रात्रि नगर में उस समय हड़कंप मच गया जब राजस्थान के झालावाड़ जिले की पुलिस के एक दर्जन से अधिक वाहन अचानक क्षेत्र में प्रवेश कर गए। पुलिस ने मादक पदार्थ निर्माण में प्रयुक्त 320.72 किलो संदिग्ध केमिकल के मामले में मुख्य आरोपी जयनारायण उर्फ मामू निवासी छावनी आगर तथा उसके साथी रामलाल निवासी सुसनेर को डिटेन किया। इससे पूर्व झालरापाटन में दीपक पुत्र श्यामलाल ब्राह्मण निवासी नवल थाना आगर, जितेंद्र सिंह पुत्र कमल सिंह राजपूत निवासी गोंदलमऊ थाना नलखेड़ा तथा शैलेन्द्र विलाला पुत्र रमेशचंद्र विलाला निवास गोंदलमऊ को पकड़ा गया था। इस कार्रवाई में कुल 5 आरोपियों की गिरफ्तारी, 3 वाहनों की जब्ती तथा 320.72 किलो संदिग्ध केमिकल बरामद किया गया है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह केमिकल महाराष्ट्र से मंगवाया गया था और इसका उपयोग एमडी ड्रग्स बनाने में किया जाना था। बुधवार को झालावाड़ एसपी अमित बुडानिया ने झालावाड में प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि जानकारी के आधार पर पुलिस ने मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के माचलपुर क्षेत्र में संचालित अवैध ड्रग्स फैक्ट्री पर छापा मारा जहां से कई उपकरण व संदिग्ध सामग्री बरामद हुई। इस पूरे ऑपरेशन में राजस्थान के साथ आगर और राजगढ़ पुलिस का भी समन्वय रहा। एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों से गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में गहन पूछताछ की जा रही है।

खेल मंत्रालय के तत्वावधन में खेल प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न

महिदपुर रोड। ग्राम खारूआं कलां में मेरा युवा भारत कार्यक्रम के के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन मां शारदा पब्लिक स्कूल में संपन्न हुआ युवा अधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा खेल प्रकोष्ठ रतलाम जिला सहसंयोजक अतुल वर्मा, माधव शर्मा व ब्लॉक समन्वयक दुगार्शंकर मोयल ने प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया । कबड्डी, दौड़ 100 एवं 200 मीटर, रस्साकस्सी और गोला फेंक प्रतियोगिता हुई । समापन समारोह मे मुख्य अतिथि भाजपा मंडल उपाध्यक्ष राजू डांगी, रमेश प्रजापत, जीवन सिँह बाखला, मेहताब सिँह डांगी, फूल सिँह चौहान ने बच्चो को मेडल एवं ट्रॉफी से पुरुस्कृत किया । कबड्डी बालक वर्ग मे विजेता माँ शारदा पब्लिक स्कूल , उपविजेता आलोट स्पोर्ट्स एसोसि एशन रहा । कबड्डी बालिका वर्ग मे विजेता आलोट स्पोर्ट्स एसोसि एशन व उपविजेता माँ शारदा पब्लिक स्कूल रहा। रस्साकस्सी बालक एवं बालिका वर्ग मे माँ शारदा पब्लिक स्कूल विजेता एवं उपविजेता आलोट स्पोर्ट्स एसोसिएशन रहा। दौड़ बालक वर्ग 100 मीटर मे प्रथम श्यामपाल, द्वितीय दिलीप, तृतीय सुमित रहे। 200 मीटर दौड़ बालक मे आयुष, ओमप्रकाश, देवेंद्र मीणा रहे। बालिका वर्ग 100 मीटर दौड़ मे सारिका मीणा, द्वितीय हर्षि ता व्यास, तृतीय वर्षा प्रजापत, 200 मीटर दौड़ मे शीतल प्रजापत, द्वितीय मनीषा डांगी, तृतीय नव्या पंवार रहे। गोला फेंक बालक एवं बालिका वर्ग मे मे लूनी प्रथम एवं आलोट स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वितीय रहा। कार्यक्रम का संचालन मोनू मीणा ने किया आभार संस्था प्राचार्य प्रकाश हाडा ने माना। निर्णायक की भूमिका माधव शर्मा, मोनू मीणा, जीवनसिंह सौलंकी, मंगलसिंह चौहान, हेमंत सौलंकी, सीमा मौर्य आदि ने निभाई।

फतेहगढ थाना पुलिस ने की अवैध शराब के विरूद्ध सतर्क कार्यवाही

हाथ भट्टी से बनी 57 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर तस्कर किया गिरफ्तार

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी के संवेदनशील एवं सशक्त नेतृत्व में गुना पुलिस द्वारा जिले में अवैध शराब माफियाओं एवं तस्करों के विरूद्ध लगातार कठोर और प्रभावी कार्यवाहियां की जा रहीं हैं। इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी गुना श्री विवेक अष्ठाना के पर्यवेक्षण में जिले के फतेहगढ थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अभिषेक तिवारी और उनकी टीम द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए कच्ची शराब बेचने की फिराक में एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फतेहगढ थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम रामपुर-सेनवोर्ड रोड़ स्थित अम्बाराम चक गांव में नहर की पुलिया पर एक व्यक्ति प्लास्टिक की बड़ी-बड़ी दो कैनों में अवैध कच्ची शराब लेकर उसे बेचने की फिराक में बैठा है। थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्रय की सूचना को गंभीरता से लेते हुए फतेहगढ़ थाने से तत्काल पुलिस की एक टीम सूचना की तस्दीक व कार्यवाही हेतु रवाना हुई। टीम द्वारा बिना कोई देरी किए तुरंत अम्बाराम चक में मुखबिर की बताई जगह नहर की पुलिया के पास पहुंचकर देखा तो जहां पर संदिग्ध व्यक्ति दो केनों के साथ बैठा हुआ दिखाई दिया, जो पुलिस को देखते ही केनें छोड़कर वहां से भागने लगा, लेकिन पुलिस फोर्स द्वारा उसे घेराबंदी कर धर दबोच लिया गया। पूछताछ पर उसने अपना नाम देवा उर्फ देवू पुत्र रूकमा भील उम्र 45 साल निवासी ग्राम अम्बाराम चक थाना फतेहगढ़ जिला गुना का बताया। जिसके पास मौजूद कैनों को चेक करने पर उनमें हाथ भट्टी की बनी कुल 57 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई, जिसे पुलिस ने विधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और जिसके विरुद्ध फतेहगढ थाने में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

अवैध शराब के विरुद्ध फतेहगढ थाना पुलिस की इस सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अभिषेक तिवारी, सउनि नरेश शर्मा, सउनि जसरथ दिवाकर, प्रधान आरक्षक सरनाम सिंह, आरक्षक आरक्षक सुनील असैया, आरक्षक बृजेन्द्र कुशवाह, आरक्षक कुलदीप धाकड़, आरक्षक कांजराज एवं महिला आरक्षक क्रांति रघुवंशी का विशेष योगदान रहा है।

शुजालपुर

अवैध शराब के विरूद्ध सतत चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को जिला शाजापुर कलेक्टर ऋतु बाफना के निर्देशन में एवं जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही शाजापुर के मार्गदर्शन में मदिरा के अवैध निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर नियंत्रण के लिए वृत्त क्रमांक 1 शाजापुर अंतर्गत सलसलाई क्षेत्र में स्थित पंपापुर कंजर डेरे पर थाना सलसलाई गौलाना चौकी व आबकारी बल द्वारा सामूहिक दबिश दी गई। इस दौरान लगभग 1800 किलोग्राम लहान मौके पर मिला जिसे अमले ने नष्ट किया। साथ ही आबकारी अधिनियम के तहत 05 न्यायालयीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए व एक खाली तलाशी पंचनामा पंजीकृत किया। उक्त कार्यवाही में सलसलाई थाना प्रभारी जनक सिंह रावत, सहायक जिला आबकारी अधिकारी बबीता शिंदे, गुलाना चौकी प्रभारी रामदयाल बैरागी ,आबकारी उप निरीक्षक सुरेश पटेल, मीनाक्षी बोरदिया, महेंद्र परमार, आबकारी आरक्षक दिनेश कौशिक, लखन सिंह सिसोदिया, राकेश जमरा, सैनिक देवकरण ,बाबूलाल का विशेष योगदान रहा।

शिप्रा नदी में मिला लापता युवक का शव, तीन दिन पहले ससुराल जाने की बात कहकर घर से निकला

दैनिक अवन्तिका ▸▸ देवास

जिले के आनंदपुर डूंगरिया गांव के रहने वाले 27 वर्षीय रविन्द्र मोर्य का शव शिप्रा नदी में मिला है। रविन्द्र पिछले तीन दिनों से लापता था। गुरुवार सुबह कुछ लोगों ने नदी में शव ऊपर हुआ देखा, जिसके बाद इसकी सूचना देवास और शिप्रा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाया। जांच में मृतक की पहचान रविन्द्र मोर्य के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि रविन्द्र तीन दिन पहले ससुराल जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा।

बाइक भी मिली

रविन्द्र के लापता होने पर परिवार ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी और लगातार उसकी तलाश की जा रही थी। पुलिस को एक दिन पहले उसकी बाइक भी शिप्रा थाना क्षेत्र में लावारिस हालत में मिला था।

शव शिप्रा नदी के इंदौर जिले वाले हिस्से में मिला है, इसलिए पोस्टमार्टम के लिए शव को इंदौर भेजा गया है। पुलिस को आशंका है कि युवक ने नदी में छलांग लगाई होगी। हालांकि, मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

विश्व कैंसर दिवस पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

ब्यावरा। राजगढ़ जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में जिले भर में व्यापक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से न केवल कैंसर संभावित मरीजों की पहचान की गई, बल्कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में लोगों को इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक भी किया गया। स्वास्थ्य विभाग की पहल पर जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, उपस्वास्थ्य केंद्रों, सिविल अस्पतालों और जिला अस्पताल में विशेष शिविर लगाए गए। इन शिविरों में बड़ी संख्या में लोग अपनी जांच करवाने पहुंचे।

कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुई पंचदिवसीय श्रीमद् भगवत वेद कथा

कानड़। नगर के माता जी रोड स्थित मांगलिक भवन में बुधवार से पंचदिवसीय श्रीमद् भगवत वेद कथा का भव्य शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ। कथा आयोजन समिति द्वारा आर्य वीर दल व्यायाम शाला से निकाली गई कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लेकर शामिल हुईं। चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों–राजवाड़ा, बजरंग मोहल्ला, पीपल चौक, सदर बाजार, गोंदी चौराहा, स्वामी दयानंद मार्ग एवं पुराने बस स्टैंड से होते हुए कथा स्थल पहुंचा।कलश यात्रा में कथा वाचक पंडित प्रकाश आर्य (महू, इंदौर) एवं पंडित काशीराम आर्य (अनल) बग्गी पर सवार रहे, जिनका विभिन्न स्थानों पर पुष्पमालाओं एवं श्रीफल से स्वागत किया गया। स्वागतकर्ताओं में राजवाड़ा चौराहे पर महेश सूर्यवंशी, बजरंग मोहल्ला में संदीप बैरागी व राजेश माली, पीपल चौक पर आनंद आर्य व अनिरुद्ध पालीवाल, सदर बाजार में पं. गोपाल त्रिवेदी, स्वामी दयानंद मार्ग पर, सिद्धनाथ चौधरी,संतोष शर्मा व अशोक सोलंकी, आर्य समाज मंदिर पर नरेंद्र नागर, मोहनलाल आर्य व जगदीश आर्य तथा पुराने बस स्टैंड पर मनोज कुमार गुप्ता शामिल रहे।संत शिरोमणि रविदास मंदिर चौराहा पर गौरीशंकर सूर्यवंशी ,बाबूलाल सूर्यवंशी,बाबूलाल मंडोर, विष्णु कुमरावत आदि ने स्वागत किया।झंडा चौक पर राजाराम, दुर्गाप्रसाद पेजवाल, सलमान खान ने स्वागत किया। वही माताजी रोड पर मनीष शर्मा व राजेश शर्मा ने भी स्वागत किया।

पैरामेडिकल कालेज संचालक एसोसिएशन न किया डॉ. फौजदार का सम्मान

सारंगपुर। पैरामेडिकल एजुकेशन एण्ड सोशल वेलफेयर एसोसिएशन जो की पैरामेडिकल कालेज संचालको की मप्र शासन के द्वारा रजिस्टर्ड एसोसिएशन के पदाधिकारी डॉ संजय सिंह, अध्यक्ष संतोष सिंह बघेल, सचिव डॉ बलराज सिंह यादव कोषाध्यक्ष व विष्णुकान्त त्रिपाठी संयुक्त सचिव के द्वारा डॉ. अजय फौजदार एचओडी फिजियोथेरेपी डिपार्टमेन्ट सुभाश चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर को नेशनल कमीशन फॉर एलाईड एण्ड हेल्थ केयर प्रोफेशनल के द्वारा म.प्र का को-आर्डिनेटर नियुक्त किए जाने पर बधाई दी व सम्मानित किया गया। डॉ. अजय फौजदार मप्र के जाने माने फिजियोथेरेपिस्ट है व विगत कई वर्षा से सुभाश चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में अपनी सेवाएं दे रहे है। डॉ. अजय फौजदार एक मिलनसार एवं प्रतिभाशाली चिकित्सक हैं। केंद्रीय शासन द्वारा संपूर्ण भारत मे पैरामेडिकल की गूणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रदान हेतू नेशनल कमीशन फॉर एलाईड एण्ड हेल्थ केयर प्रोफेशनल का गठन किया गया है।

मोहम्मद मुदस्सिर बना मात्र 21 वर्ष की उम्र में पायलट

सारंगपुर। सारंगपुर के शासकीय शिक्षक मुबारिक मंसूरी के पुत्र मोहम्मद मुदस्सिर ने महजा 21 वर्ष की उम्र में 200 घंटे की उडान पूरी कर कमर्शियल पायलट के रुप में जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने अपनी शुरूआती पढाई सेंट जॉर्ज कॉन्वेंट स्कूल, सारंगपुर से पूरी की। छोटे शहर से निकलकर आसमान तक पहुँचने का यह सफर आसान नहीं था, लेकिन बचपन से ही विमानों और उडान के प्रति उनका गहरा लगाव था, जो धीरे-धीरे उनके जीवन का लक्ष्य बन गया। स्कूली शिक्षा के बाद वे कोटा गए, जहाँ उन्होंने जेईई की तैयारी शुरू की। बातचीत के दौरान कैप्टन मो. मुदस्सिर मंसूरी ने बताया कि उनका सपना हमेशा से पायलट बनने का था। कुछ समय बाद उन्होंने यह अहम फैसला लिया कि वे जेईई की तैयारी छोडकर एविएशन में अपना करियर बनाएंगे। इसके बाद उन्होंने डीजीसीए की सभी प्रतियोगी परीक्षाएँ एक ही प्रयास में सफलतापूर्वक पास कीं, जो उनके लिए एक बडा माइलस्टोन रहा और उनके आत्मविश्वास को नई उडान मिली।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मुफद्दल मुल्थानवाला (MUFADDAL MULTHANWALA) पिता तुरब अली (TURAB ALEE) जाति बोहरा निवासी 109, सुभाष पथ बोहरा गली बड़नगर तह. बड़नगर जिला उज्जैन। पूर्व में मेरा नाम मुफद्दल (MUFADAL) पिता तुरब अली (TURAB ALEE) था। चूंकि अब मेरा नाम मुफद्दल मुत्थानवाला (MUFADDAL MULTHANWALA) पिता तुरब अली (TURAB ALEE) हो चुका है।

अतः मेरे सभी कागजों में वर्तमान में यही नाम लिखा हुआ है। अब मुझे मेरे सही नाम मुफद्दल मुत्थानवाला (MUFADDAL MULTHANWALA) के नाम से जाना जावें।

दिनांक - 05.02.2026

मुफद्दल मुल्थानवाला पिता तुरब अली
निवासी 109, सुभाष पथ बोहरा गली बड़नगर (म.प्र.) 456771
मो. 9575527021

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने मकान नगर पालिक निगम क्रमांक 6 व 6/1/8 का भाग स्थित घटकरपर मार्ग, माधवनगर, उज्जैन जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 1600 वर्गफीट है, उसके पूर्व दिशा मे पार्च बाद गली 40 फीट की, पश्चिम दिशा मे पोर्च व बाद 80 फीट चौडी सडक, उत्तर दिशा मे - इसी मकान का शेष भाग एवं दक्षिण दिशा मे - इसी मकान का शेष भाग है को नरेश भण्डारी पिता स्व. श्री कल्याणमलजी भण्डारी, निवासी 12, मून्दडा कालोनी, हीरामिल मार्ग, उज्जैन से क्रय करने का सौदा किया है। मेरे पक्षकार ने बयाना राशि भी अदा कर दी है। मेरे पक्षकार को नियत अवधि मे उपरोक्त मकान का शेष विक्रयमूल्य अदा कर अपने हित मे रजिस्ट्री करवायी जाना शेष है।

अतः इस सूचना प्रकाशन द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति पर किसी व्यक्ति का कोई स्वत्व, हित, अधिकार, हिस्सा हो या कोई अनुबंध किया हुवा हो तथा किसी व्यक्ति को दान, हिबा की हुई हो या किसी व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था, बैंक किसी विभाग या किसी ऋण दात्री संस्था को कोई आपत्ति हो तथा इक्वीटेबल मार्टगेज की हुई हो या उस पर किसी प्रकार का कोई ऋण, भार, टेक्स, मेंटेनेन्स बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज किसी व्यक्ति आदि के पास गिरवी रखे हो अथवा कोई न्यायालयीन वाद विचाराधिन हो तो ऐसे संबंधित व्यक्ति सूचना प्रकाशन से सात दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा प्रकाशन की अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत उक्त वर्णित सम्पत्ति का अनुबंध पत्र अपने हित में करवा ली जावेगी व किसी की कोई आपत्ति नहीं मानी जावेंगी। इति दिनांक 05-02-2026

स्थान - उज्जैन

दिलीप कुमार जैन एडवोकेट
DF-11 भरतपुरी कॉम्पलेक्स, देवास रोड उज्जैन
फोन नम्बर : 94250 92749

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने मकान नगर पालिक निगम क्रमांक 6 व 6/1/8 का भाग स्थित घटकरपर मार्ग, माधवनगर, उज्जैन जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 2560 वर्गफीट है, उसके पूर्व दिशा मे पार्च बाद गली 40 फीट की, पश्चिम दिशा मे -पोर्च व बाद 80 फीट चौडी सडक, उत्तर दिशा मे गली 10 फीट की एवं दक्षिण दिशा में इसी मकान का शेष भाग है को नरेश भण्डारी पिता स्व. श्री कल्याणमलजी भण्डारी, निवासी 12, मून्दडा कालोनी, हीरामिल मार्ग, उज्जैन से क्रय करने का सौदा किया है। मेरे पक्षकार ने बयाना राशि भी अदा कर दी है। मेरे पक्षकार को नियत अवधि मे उपरोक्त मकान का शेष विक्रयमूल्य अदा कर अपने हित मे रजिस्ट्री करवायी जाना शेष है।

अतः इस सूचना प्रकाशन द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति पर किसी व्यक्ति का कोई स्वत्व, हित, अधिकार, हिस्सा हो या कोई अनुबंध किया हुवा हो तथा किसी व्यक्ति को दान, हिबा की हुई हो या किसी व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था, बैंक किसी विभाग या किसी ऋण दात्री संस्था को कोई आपत्ति हो तथा इक्वीटेबल मार्टगेज की हुई हो या उस पर किसी प्रकार का कोई ऋण, भार, टेक्स, मेंटेनेन्स बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज किसी व्यक्ति आदि के पास गिरवी रखे हो अथवा कोई न्यायालयीन वाद विचाराधिन हो तो ऐसे संबंधित व्यक्ति सूचना प्रकाशन से सात दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा प्रकाशन की अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत उक्त वर्णित सम्पत्ति का अनुबंध पत्र अपने हित में करवा ली जावेगी व किसी की कोई आपत्ति नहीं मानी जावेंगी। इति दिनांक 05-02-2026 स्थान - उज्जैन

दिलीप कुमार जैन एडवोकेट
DF-11 भरतपुरी कॉम्पलेक्स, देवास रोड उज्जैन
फोन नम्बर : 94250 92749

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी उज्जैन जिला उज्जैन (मप्र)

क्रमांक 569/री-1/2026 **उज्जैन दिनांक 03/02/26**
प्रकरण क्र०-80/ अपील / 2025-26

अपील सूचना समंस आदेश नियम 1 और सीपीसी

1. सुरेश पिता घीसाजी ग्राम तालोद तहसील व जिला उज्जैन

अपीलार्थी

1. बहादुर पिता घीसाजी
2. लीलाबाई पिता मदन
3. प्रभू पिता जग्गू
4. अम्बाराम पिता घीसा
5. गंगाबाई पिता भागीरथ
6. कलाबाई पिता भागीरथ
7. राजूबाई पिता भागीरथ
8. प्रेमबाई पिता भागीरथ
9. मदन पिता भागीरथ
10. मोहन पिता भागीरथ
11. रमेश पिता भागीरथ
12. सत्यनारायण पिता भागीरथ निवासीगण ग्राम तालोद तहसील व जिला उज्जैन (म.प्र.)---------**विरूद्ध**

आप अनावेदक के विरूद्ध आवेदकों के द्वारा न्यायालय नायब तहसीलदार के प्रकरण क्रमांक 0150/अ-27/2023-24 आदेश दिनांक 07.05.2024 के विरूद्ध इस न्यायालय में अपील आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण क्रमांक 0031 / अपील / 2025-26 है।

उक्त आवेदन की सुनवाई हेतु दिनांक 19/02/2026 नियत की गई है। इसलिए आप अनावेदक उक्त आवेदन के संबंध में सभी प्रश्नों का उत्तर देने के लिए जिस पर आपकी प्रतिरक्षा आधारित हो मय दस्तावेजों के उक्त नियम दिनांक 19/02/2026 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर आपका पक्ष प्रस्तुत करें। अनावेदक की अनुपस्थिति में आवेदक की सुनवाई का निपटारा नियमानुसार किया जावेगा। किसी कारण से उक्त दिनांक का अवकाश होने की दशा में प्रकरण आगामी कार्य दिवस में लिया जावेगा। सूचित हो।

अनुविभागीय अधिकारी (रा)
अनुभाग उज्जैन

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार ने दुकानस्वामी श्रीमती कोमल जयसिंघानी पति श्री सुशीलकुमार जी निवासी- 6, यंत्रमहल मार्ग उज्जैन के स्वामित्व, स्वत्व एवं आधिपत्य की एक दुकान क्रमांक 11 जो भवन नगर नगर पालिक निगम क्रमांक पुराना 15,153, 15/2 व 15/1 स्थित श्रीपाल मार्ग उज्जैन पर बने भवन शांता अपार्टमेन्ट के ग्राउण्ड फ्लोर में है, जिसका कुल क्षेत्रफल 10.57 वर्गमीटर है। जिसकी चर्तुःसीमा पूर्व में दुकान अन्य की पश्चिम में दुकान अन्य की उत्तर में- कामन पेसेज दक्षिण में मकान अक्कील अब्बास भाई का उक्त संपति को मेरे पक्षकार ने क्रय करने का सौदा किया है तथा आंशिक राशि अदा कर दी है शेष राशि अदा कर विक्रय पत्र कराया जाना बाकी है।

अतः उक्त वर्णित संपत्ति किसी भी बैंक, पेठी, निगम, वित्तीय संस्था आदि का कोई ऋण, भार, बकाया हो, उक्त वर्णित संपति में किसी अन्य का कोई हक, हित, हिस्सा व सुखाधिकार हो या इस विक्रय बाबत किसी को कोई आपत्ति आदि हो तो वह इस जाहिर सूचना से 7 (सात) दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय लैखी प्रमाण सहित मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करे ताकि उसका उचित निराकरण किया जा सके अन्यथा मियाद गुजरने पश्चात मेरे पक्षकार अपने हित में उक्त वर्णित संपत्ति के विक्रय पत्र निष्पादित व पंजीयन करवा लेवेगे व किसी की कोई आपत्ति आदि मान्य नहीं होगी। सो सूचित हो।

इति दिनांक 04-02-2026 स्थान उज्जैन

गौरव गौदावत (जैन), एडव्होकेट
दुकान नंबर -डीएफ-7 भरतपुरी काम्पलेक्स, देवास रोड़
उज्जैन मोबाईल नंबर- 99260-68606

जाहिर सूचना

एतद सर्वसाधारण का सूचित किया जाता हैं कि मेरे पक्षकार ने श्री राजकुमार पिता शांतिलाल राठौर, लक्ष्मी पति राजकुमार राठौर, निवासीगण-सी-43, ऋषि नगर, उज्जैन एवं रशीद पटेल पिता गनी पटेल, निवासी-ग्राम दताना जिला उज्जैन के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की एक कृषि भूमि जिसका सर्वे नं. 411/2 रकबा 0.4300 हे. पटवारी हल्का नं. 00086 ग्राम चंदेसरी तहसील व जिला उज्जैन में स्थित हैं, के विक्रय करने में भेरूलाल पिता सिद्धू जी परमार, मोहन पिता सिद्धू जी परमार, सुगनबाई पति सिद्धू जी परमार, निवासीगण ग्राम चंदेसरी तहसील व जिला उज्जैन ने सहमति प्रदान की हैं को विक्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार से किया हैं तथा अग्रिम विक्रय मूल्य बयाने पेटे राशि अदा कर दी गई हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था, बैंक, हाउसिंग बोर्ड, उज्जैन विकास प्राधिकरण या किसी शासकीय या अर्द्धशासकीय कार्यालय को उक्त कृषि भूमि के विक्रय के संबंध में कोई आपत्ति हो तो मय लेखी प्रमाण जाहिर सूचना प्रकाशन की अवधि से 07 दिवस के भीतर संपर्क करे। अन्यथा बाद मियाद गुजरने बाद शेष राशि अदा कर विकय पत्र संपादित करवा लिया जावेगा, बाद कोई भी आपत्ति उज्ज मान्य नही होगी। सूचित हो। इति दिनांक

रितेश मीणा एडवोकेट
पता-5/5, काजीपुरा, अंकपात मार्ग, उज्जैन म.प्र.
मो. 9827591910

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने मकान नगर पालिक निगम क्रमांक 6 व 6/1/8 का भाग स्थित घटकरपर मार्ग, माधवनगर, उज्जैन जिसका कुल क्षेत्रफल लगभग 1600 वर्गफीट है, उसके पूर्व दिशा मे पार्च बाद गली 40 फीट की, पश्चिम दिशा मे -पोर्च व बाद 80 फीट चौडी सडक, उत्तर दिशा मे इसी मकान का शेष भाग एवं दक्षिण दिशा मे - मकान नरेश भण्डारी एवं श्वेता भण्डारी का है को नरेश भण्डारी पिता स्व. श्री कल्याणमलजी भण्डारी, निवासी 12, मून्दडा कालोनी, हीरामिल मार्ग, उज्जैन से क्रय करने का सौदा किया है। मेरे पक्षकार ने बयाना राशि भी अदा कर दी है। मेरे पक्षकार को नियत अवधि 1 मे उपरोक्त मकान का शेष विक्रयमूल्य अदा कर अपने हित मे रजिस्ट्री करवायी जाना शेष है।

अतः इस सूचना प्रकाशन द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति पर किसी व्यक्ति का कोई स्वत्व, हित, अधिकार, हिस्सा हो या कोई अनुबंध किया हुवा हो तथा किसी व्यक्ति को दान, हिबा की हुई हो या किसी व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था, बैंक किसी विभाग या किसी ऋण दात्री संस्था को कोई आपत्ति हो तथा इक्वीटेबल मार्टगेज की हुई हो या उस पर किसी प्रकार का कोई ऋण, भार, टेक्स, मेंटेनेन्स बकाया हो या उक्त सम्पत्ति के मूल दस्तावेज किसी व्यक्ति आदि के पास गिरवी रखे हो अथवा कोई न्यायालयीन वाद विचाराधिन हो तो ऐसे संबंधित व्यक्ति सूचना प्रकाशन से सात दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति मय लिखित प्रमाण के मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा प्रकाशन की अवधि व्यतीत हो जाने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा विधिवत उक्त वर्णित सम्पत्ति का अनुबंध पत्र अपने हित में करवा ली जावेगी व किसी की कोई आपत्ति नहीं मानी जावेंगी।

इति दिनांक 05-02-2026 स्थान - उज्जैन

दिलीप कुमार जैन एडवोकेट
DF-11 भरतपुरी कॉम्पलेक्स, देवास रोड उज्जैन
फोन नम्बर : 94250 92749

शबे-ए-बरात की रात छोटे-छोटे बच्चों ने दी शानदार प्रस्तुति

बिछड़ौद। मंगलवार को शबे-ए-बरात के मौके पर नगर की जामा मस्जिद में जलसे का आयोजन किया गया। जहां मकतब के छोटे-छोटे बच्चों ने नात शरीफ, हदीश शरीफ, कलमें और दुआएं पड़ी। वहीं जिन बच्चों का कुरान शरीफ मुकम्मल हो गया उनका पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया।और स्टील लंच बॉक्स और स्टील पानी बोटल देकर सम्मानित किया गया। वहीं जामा मस्जिद कमेटी द्वारा मस्जिद के इमाम मुफ्ती हासिम मजाहिरी सहाब का पुष्प माला पहनाकर और शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। शबे-ए-बारात को मुस्लिम समाजन कब्रिस्तानों में जाकर पूर्वजों की मगफिरत के लिए दुआ करते है। शबे-ए-बारात केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन और सुधार का संदेश भी देती है। यह रात इंसान को अपने गुनाहों को स्वीकार कर उनसे तौबा करने, दूसरों को माफ करने और दिल से नफरत निकालने की सीख देती है। जानकारी जसीम रंगरेज ने दी।

सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का हुआ भंडारे के साथ समापन

तनोडिया। समीपस्थ ग्राम पंचायत ठिकरिया के गांव कुमारिया में हनुमान मंदिर परिसर में चल रही सात दिवसीय कथा में कथावाचक राष्ट्रीय संत गोपालकृष्ण महाराज ने कथा के अंतिम दिन राजा परीक्षित की मोक्ष के बारे में बताया वहीं सुदामा चरित्र के बारे में प्रसंगों में आगे कहा कि सुदामा श्री कृष्ण की मित्रता का वर्णन करते हुए कहा इतना बड़ा आदमी नहीं हूं केवल द्वारिकाधीश को बता देना कोई दीवाना आया है और नाम सुदामा बता रहा है श्री कृष्णा में सुदामा को अपने गले से लगाए और अपने महल में ले गए। वही कथा प्रसंग में आगे राजा परीक्षित के बारे में यह बताया परीक्षित ने अपने जीवनकाल में कई अश्वमेघ यज्ञ किए और एक प्रतापी राजा के रूप में शासन किया। वे शक्तिशाली राजा बने, लेकिन एक ऋषि के श्राप के कारण तक्षक नाग के काटने से उनकी मृत्यु हुई शुकदेव मुनि ने उन्हें सात दिनों तक भागवत कथा सुनाई, जिससे राजा परीक्षित का मन सांसारिक मोह से हट गया और उन्हें मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति हुई। और आगे कहा कि आज का युवा तनाव एवं डिप्रेशन में जी रहा है। इसका मुख्य कारण है कि वह भगवान से दुर हो रहा है। इसलिए भगवान से जुड़े रहने पर मन को हर स्थिति में भी व्यक्ति घबराता नहीं है। यह प्रभु की भक्ति की कृपा होती है। कथावाचक राष्ट्रीय संत गोपालकृष्ण महाराज द्वारा कथा के बीच बीच में मधुर मधुर भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी गई इसके पुर्व छठवें दिन कथा में सीएम डॉ मोहन यादव के भ्राताश्री व कुश्ती संघ के प्रदेश अध्यक्ष नारायण यादव दादा,भरत जायसवाल, पवनसिंह आंजना,लालसिंह चुंडावत, एलकारसिंह सौंलकी, डॉ मोहनलाल मकवाना, पंकज मित्तल सहित आसपास गांवों से बडी संख्या में भक्तों शामिल हुए।

प्रीति अग्रवाल को बनाया अध्यक्ष डिवाईन मंच का स्थापना दिवस मनाया

शुजालपुर। डिवाईन मंच का स्थापना दिवस जटाशंकर परिसर में गत दिवस मनाया गया। इस दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न गेम आयोजित किए गए। लक्की ड्रा में विजेता रश्मि अवस्थी रही। इसी प्रकार अन्य गेम भी हुए, जिसमें प्रथम शीतल विजयवर्गीय, द्वितीय अनिता राठी, तृतीय अंजू खत्री रही। स्थापना दिवस पर मंच की नवीन कार्यकारिणी बनाई गई, जिसमें अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल, उपाध्यक्ष अंजू खत्री, सचिव शोभा जैन एवं शीतल विजयवर्गीय को कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर रत्ना सोनी, मधु मंडलोई, निर्मला चौबे, रश्मि अवस्थी, अमिता डागा, अनिता राठी, ममता मेहता, माधवी सणस सहित अन्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रीति अग्रवाल ने किया।

सड़क हादसे में गंभीर घायल को विधायक बापू ने पहुँचाया अस्पताल

सुसनेर। रात्रि करीब 8:30 बजे डग रोड स्थित आव नदी के समीप हुए सड़क हादसे में नाहरगढ़ निवासी भाव सिंह पिता भगवान सिंह (30 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी दौरान सुसनेर से डग की ओर जा रहे क्षेत्रीय विधायक भैरोसिंह बापू की नजर घायल पर पड़ी। उन्होंने तत्काल अपना वाहन रुकवाया और एंबुलेंस का इंतजार किए बिना मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए घायल को अपनी ही गाड़ी से सिविल अस्पताल भिजवाया। विधायक के साथ मौजूद गनमैन राघवेंद्र सिंह और ड्राइवर ने घायल को सुरक्षित अस्पताल पहुँचाने में सहयोग किया। सिविल अस्पताल में डॉ. बी.बी. पाटीदार द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया, जिसके बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए घायल को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बेकसूरों को फंसाने वाले अब वरिष्ठ अधिकारियों को कर रहे गुमराह

हल्ला मचने पर जांच अधिकारी बदला, मामला 132 के व्ही से स्क्रेप बेचने का

दैनिक अवन्तिका ▸▸ शुजालपुर

सिटी मंडी रोड स्थित पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के 132 के व्ही उपकेन्द्र के प्रभारी सहायक यंत्री ने जो विद्युत कंपनी की सामग्री कबाड़ी को बेची थी और पकडे जाने पर बेकसूरों को फंसाने के लिए षडयंत्र रचकर निर्दोष गरीब मजदूरों पर चोरी की एफआईआर दर्ज कराई वह अपने कुछ अधिकारियों के साथ मिलकर वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है और इस मामले में विद्युत कंपनी के कुछ अधिकारी भी सहयोग कर रहे है।

यह आरोप चोरी के मामले में झूठे फंसाए गए मजदूरों ने मीडिया कर्मी के चर्चा के दौरान लगाए। बता दे 132 के व्ही विद्युत ग्रिड से 30 जनवरी को वरिष्ठ कार्यालय के आदेश के बिना लाखों रुपए का स्क्रेप प्रभारी द्वारा बेचा गया था, जो कि पुलिस ने पकड़ लिया तो अपने हाथ बचाने के लिए विद्युत कंपनी के कुछ अधिकारियों ने मजदूरों व वाहन चालक पर ही चोरी का आरोप लगा दिया। इतना ही नहीं पुलिस से मिलीभगत कर 6 लोगों पर चोरी का मामला भी दर्ज करवा दिया। झूठे मामले में फंसाए गए इन मजदूरों का कहना है कि जिस क्षेत्र से वे सामग्री लेकर आए वह पर सूरक्षा गार्ड से लेकर कर्मचारी और अधिकारी मौजूद थे, यह परिसर प्रतिबंधित क्षेत्र है और केन्द्र के अंदर कैमरे भी लगे हुए है। स्क्रेप खरीदने वाले कबाड़ी जावेद व शकिल का कहना है कि इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, उन्हे स्क्रेप खरीदने के लिए सहायक यंत्री विजय ओझा ने 29 जनवरी को बुलाया, इसके बाद अंदर स्क्रेप को देखा, इसके अगले दिन 30 जनवरी को वे बकायदा तोल कांटा लेकर मजदूरों के साथ केन्द्र के अंदर गए, जहां पर विधिवत रजिस्ट्रर में इन्टी की गई, केन्द्र में स्क्रेप का तोल कार्य अधिकारियों के सामने हुआ। विद्युत कंपनी के अधिकारी जो सामान शिफ्टिंग करने की बात कहकर हमपर चोरी का आरोप लगा रहे है, यदि सामान को शिफ्टिंग करवाना था तो तोल कार्य की आवश्यकता ही क्यों थी। एफआईआर में जिनके नाम दर्ज है उनका कहना है कि कंपनी की सम्पत्ति को बेचने में कार्यपालन यंत्री की भी भूमिका है।

फर्जी गेट पास बनाने की बात कही

शासकीय सम्पत्ति को अनाधिकृत रूप से बेचे जाने के इस मामले में लगातार ऑडियों सामने आ रहे है। हमारी पड़ताल में एक और ऑडियों सामने आया, जिसमें सहायक यंत्री विजय ओझा अपने अधिनस्त से चर्चा कर रहे है और जिसमें ओझा निर्देश दे रहे है कि अभी चार लेबर बुलवा रहे है उन्हे शटर के अंदर कर देना, ये लेबर पेकिंग कर लेगे और 12-1 बजे गाडी बुलवाकर मटेरियल तुलवा देना, जब अधिनस्त सामान गेट पास से जाने की बात कहता है तो सहायक यंत्री ओझा कहते है कि यह सामान गेट पास से थोडी जाएगी। साथ ही ओझा सबको देने की बात कहते है। जब अधिनस्त पूर्व अधिकारियों की कार्यप्रणाली की बात बताता है तो ओझा फर्जी गेट पास बनाने की बात कहकर अधिनस्त को अपने पास बुलाते सुनाई दे रहे है।

जांच अधिकारी बदला गया

स्क्रेप घोटाले में पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध प्रतित हो रही है, क्योकि पुलिस ने किसी भी प्रकार की प्रारंभिक जांच किए निर्दोष गरीब लोगों पर चोरी की एफआईआर दर्ज कर ली। जिस स्थान से स्क्रेप जाना बताया गया उस स्थल पर अभी तक पुलिस पहुंची भी नहीं है। निर्दोष लोगों को गलत तरीके से चोरी का आरोपी बनाए जाने का जब मीडिया में समाचार प्रकाशित हुआ तो वरिष्ठ अधिकारी भी सजग हुए। इस मामले की जांच पहले प्रधान आरक्षक को दी गई थी, लेकिन मामले में हल्ला मचने के बाद जांच का जिम्मा उपनिरीक्षक को सौपा गया।

इनका कहना है

विद्युत कंपनी के स्क्रेप चोरी जाने की जो एफआईआर दर्ज हुई है

उसमें जांच का कार्य अब उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी करेगे। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश अनुसार विद्युत कंपनी केन्द्र व अन्य मामलों की भी जांच की जाएगी।

निमेष देशमुख एसडीओपी शुजालपुर

कलेक्टर ने ग्रामों में ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का किया निरीक्षण

कानड़। विगत दिनों जिले में ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों की स्थिति का जायजा लेने हेतु कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव द्वारा बुधवार को कानड़ क्षेत्र के ग्राम जस्साखेड़ी, भडभूंजी, कोलुखेड़ी एवं कुंडलाखुर्द का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने खेतों में पहुंचकर किसानों से चर्चा की तथा ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान की जानकारी ली। कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को ओलावृष्टि से प्रभावित फसलों का शीघ्र सर्वे कर वास्तविक नुकसान का आंकलन करने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम आगर मिलिंद ढोके, तहसीलदार विजय सेनानी, किसान नेता डूंगर सिंह सहित राजस्व निरीक्षक, पटवारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, उद्यानिकी अधिकारी, बड़ी संख्या में कृषक, उपस्थित थे।

गेहूं एमएसपी से पिछले साल से 160 रुपए ज्यादा दाम

तनोडिया। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की तैयारी पूरी हो गई है। इस बार किसानों को गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। यह पिछले वर्ष की तुलना में 160 रुपए अधिक है। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए किसानों के पंजीयन 7 फरवरी से 7 मार्च तक होंगे। प्रबंधक संजय विश्वकर्मा ने बताया कि किसानों के लिए निःशुल्क पंजीयन की सुविधा ग्राम पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों पर रहेगी। सशुल्क पंजीयन एमपी ऑनलाइन कियोस्क, निजी साइबर कैफे पर होगा। यह दस्तावेज जरूरी पंजीयन के दौरान किसान को भूमि संबंधी दस्तावेज, आधार कार्ड और अन्य फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। पंजीयन और फसल विक्रय दोनों प्रक्रियाओं में आधार वेरिफिकेशन जरूरी रहेगा। आधार से लिंक मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी के माध्यम से होगा।

कलेक्टर ने किया सांदीपनी शासकीय मॉडल विद्यालय का निरीक्षण

मॉडर्न कंप्यूटर प्रयोगशाला का रिबिन काटकर किया शुभारंभ

पीएम आवास की देखी गुणवत्ता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ गुना

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने बुधवार सांदीपनी शासकीय मॉडल विद्यालय की नव-निर्मित भवन का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय में स्थापित आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस कंप्यूटर लैब के माध्यम से विद्यार्थियों को तकनीकी कंप्यूटर ज्ञान के साथ-साथ वोकेशनल ट्रेनिंग के क्षेत्र में विशेष लाभ मिलेगा।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कन्याल ने विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें अध्ययन से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं कि विद्यालय की नई बिल्डिंग शीघ्र पूर्ण हो, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। आगामी परीक्षाओं

को ध्यान में रखते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को रीड, राइट और रिवाइज का मूल मंत्र दिया।

कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि जरूरी यह नहीं है कि हम कितना जानते हैं, बल्कि यह महत्वपूर्ण है कि हम जो जानते हैं उसे कितनी स्पष्टता से जानते हैं। एक ही विषय को अलग-अलग पुस्तकों से पढ़ने के बजाय एक ही पुस्तक को बार-बार पढ़ना अधिक उपयोगी है। प्रत्येक अध्ययन के साथ निरंतर रिवीजन और लिखने का अभ्यास परीक्षा में सफलता की कुंजी है। रिवीजन से विषय स्मरण में रहता है, वहीं लेखन अभ्यास से समय प्रबंधन बेहतर होता है और परीक्षा समय पर पूर्ण की जा सकती है। इसके पश्चात कलेक्टर कन्याल ने पीएम आवास योजना अंतर्गत निमार्णाधीन आवासों का निरीक्षण किया तथा कुल संख्या सहित सामान्य जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गुना में विकास की अपार संभावनाएं हैं।

जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 7 फरवरी को

सुसनेर। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली चयन परीक्षा 7 फरवरी 2026, शनिवार को संपन्न होगी। नवोदय विद्यालय समिति द्वारा परीक्षा के प्रवेश पत्र आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं, जहाँ से परीक्षार्थी डाउनलोड कर सकते हैं। विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए अपने साथ वैध प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र अनिवार्य रूप से लेकर आएँ। परीक्षार्थियों को अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर परीक्षा समय से कम से कम एक घंटा पूर्व पहुँचना होगा ताकि जाँच प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके।

मिशन वात्सल्य योजना के तहत वल्नरेबिलिटी मैपिंग के संबंध में कार्यशाला का आयोजन

राजगढ़। मिशन वात्सल्य योजना के तहत जोखिम ग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों की वल्नरेबिलिटी मैपिंग के संबंध में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल बंजारे के मुख्य आतिथ्य में जिला पंचायत सभागार में किया गया। कार्यशाला में श्रीमती अर्घा तिवारी, मास्टर ट्रेनर उदयन केयर एवं श्रीमती इंदू सारस्वत, राज्य समन्वयक, ममता संस्था के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। उपरोक्त कार्यशाला में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्याम बाबू खरे, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, शिक्षा विभाग, पुलिस विभाग, न्याय विभाग, प्रशासक, वन स्टॉप सेंटर के समस्त परियोजना अधिकारी समस्त पर्यवेक्षक एवं आंगनवाडी कार्यकर्ताएँ व सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं समस्त स्टॉफ उपस्थित रहें। जिले के जोखिम ग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों का चिन्हांकन उपरांत उन्हे शासन की विभिन्न योजनाओं से जोडा जाए।

कृषि विभाग की विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा

राजगढ़। कलेक्टर ने कृषि विभाग की विभिन्न विभागीय योजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें कृषि विभाग के समस्त अधिकारी एवं मैदानी अमला उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने ई-टूर प्लान अन्तर्गत विगत महिनो में अपने क्षेत्र में किए गए भ्रमण से सम्बंधित जानकारी की पृविष्टि ई-टूर प्लान में नहीं किए जाने के साथ ही विभागीय योजनाओं में विभिन्न घटको के अंतर्गत प्राप्त लक्ष्यो के विरुद्ध पूर्ति भी नही की है। जिसके अन्तर्गत कलेक्टर ने सुश्री साक्षी साहू कृषि विस्तार अधिकारी विकास खण्ड खिलचीपुर, प्रितेश पाटीदार कृषि विस्तार अधिकारी विकास खण्ड नरसिंहगढ़, रोहित जाटव कृषि विस्तार अधिकारी विकास खण्ड सारंगपुर को उक्त लापरवाही के फलस्वरुप उनकी नियुक्ती दिनांक से आगमी तीन वर्ष के लिए प्रभावशील परिविक्षा अवधि को, अवधि समाप्त होने के दिनांक से आगामी 1 वर्ष के लिए तत्काल प्रभाव से बढाई जाने के आदेश पारित किये गये।

हर हाल में मुस्कुराइए, यही खुश रहने का मंत्र- ललितप्रभ जी मसा

महिदपुर। राष्ट्रसंत श्री ललितप्रभ सागर जी महाराज ने कहा कि सदैव खुश रहने का सरल मंत्र है-हर परिस्थिति में मुस्कुराना। प्रतिकूल हालात में भी जो मुस्कुराना सीख लेता है, वही सच्चा सुखी इंसान होता है। उन्होंने कहा कि तनाव और दुःख से मुक्ति की रामबाण औषधि है खुलकर हँसना और सकारात्मक सोच रखना। वे असाड़ी गली में आयोजित दो दिवसीय प्रवचन माला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन में जो है उसका आनंद लें, जो चला गया उसका दुःख न करें। मुस्कान से तन-मन स्वस्थ रहता है और घर स्वतः स्वर्ग बन जाता है। इस अवसर पर राष्ट्रसंत के महिदपुर आगमन पर सकल समाज द्वारा भव्य प्रवेश जुलूस निकाला गया। जो सुबह लाल मंदिर से प्रारंभ होकर असाड़ी गली पहुंचा , जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

मावठे से जनजीवन प्रभावित, स्कूलों में सन्नाटा, शादियों पर भी पड़ा असर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

जिले में मावठे की बारिश के कारण एक बार फिर ठंडक घुल गई। बादलों की गड़गड़ाहट के बीच पूरा शहर भीग गया और सड़कों पर पानी बह निकला। अचानक बदले मौसम के कारण जनजीवन पर व्यापक असर देखने को मिला। सुबह के समय ठंडी हवाओं और बारिश के चलते लोग घरों में दुबके रहे। वहीं बाजारों में भी चहलझपहल कम नजर आई।

नगर में बड़ी संख्या में शादियां आयोजित थीं। सुबह हुई तेज बारिश से विवाह वाले परिवारों के चेहरों पर चिंता की लकीरें साफ दिखाई दीं। टेंट, सजावट और आवागमन को लेकर लोग परेशान रहे। हालांकि दोपहर बाद हल्की धूप निकलने से आयोजकों ने राहत की सांस ली और कार्यक्रमों में धीरेझधीरे रौनक लौट आई। फिर भी मौसम की अनिश्चितता के कारण पूरे दिन असमंजस की स्थिति बनी रही।

बारिश का सबसे ज्यादा असर स्कूली व्यवस्था पर पड़ा। कई निजी विद्यालयों ने सुबह ही अवकाश घोषित कर दिया जबकि अन्य स्कूल खुले तो जरूर, लेकिन कक्षाओं में बच्चों की संख्या बेहद कम रही। ठंड और बारिश के कारण अभिभावक बच्चों को घर से बाहर भेजने से हिचकिचाते नजर आए। शिक्षकों के अनुसार उपस्थिति सामान्य दिनों की तुलना में आधी से भी कम रही जिससे पढ़ाई का क्रम प्रभावित हुआ।

आगर मालवा जिले में पिछले दो दिनों से जारी हल्की बारिश और सर्द हवाओं के चलते स्कूलों में उपस्थिति घटकर मात्र 30 से 40 प्रतिशत रह गई है। न्यूनतम तापमान 13झ14 डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने से सुबह के समय कड़ाके की ठंड महसूस हो रही है। बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों की पढ़ाई पर इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। शिक्षकों का कहना है कि लगातार अवकाश और कम उपस्थिति से सिलेबस पीछे छूटने की चिंता बढ़ गई है।

कृषि कार्यों के साथझसाथ दैनिक मजदूरी करने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार अगले एकझदो दिन तक क्षेत्र में हल्की बूंदाबांदी की संभावना बनी रहेगी। प्रशासन ने लोगों से सावधानी बरतने और बच्चों तथा बुजुर्गों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की अपील की है। लगातार बदलते मौसम ने फिलहाल पूरे इलाके की दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है।

स्कूली बच्चों का विदाई समारोह संपन्न, शिक्षकों ने दी शुभकामनाएं

महिदपुर रोड। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खारुआंकलां के कक्षा - 12वीं में अध्ययनरत स्कूली छात्र - छात्राओं के बिदाई समारोह का कार्यक्रम संकुल प्राचार्य मेवाराम सिंह दादौरिया तथा जनशिक्षक रघुवीर सिंह सौलंकी की उपस्थिति में संपन्न हुआ इस दौरान शिक्षक गोपाल डाबी, लीना परमार, श्री कृष्ण शर्मा, हुकुमचंद पाटीदार, मुकेश नायक, राकेश धाकड़, मुकेश डामोर, राजाराम दांगी, दीपिका मांझी एवं जनशिक्षक रघुवीरसिंह सौलंकी, बाबूलाल राठौर आदि ने छात्र-छात्राओं को अच्छे नंबर से पास होने की शुभकामनाएं दी कार्यक्रम का संचालन शिक्षक पिंटू मालावत ने किया आभार छात्र कुंदन सौलंकी ने व्यक्त किया।

सूर्य ग्रहण के समय सूर्य की ऊर्जा कमजोर हो जाती है, जिसका असर कुछ राशियों के जीवन पर नकारात्मक रूप से देखने को मिल सकता है। आइए जानते हैं किन राशियों को सावधान रहने की जरूरत है और कौन-से उपाय लाभदायक रहेंगे।

शनि की राशि में लगेगा सूर्य ग्रहण, इन राशियों को करना होगा चुनौतियों का सामना

वर्ष 2026 का पहला सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को पड़ने जा रहा है। यह ग्रहण शनि की राशि कुंभ में लगेगा। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार सूर्य ग्रहण के समय सूर्य की ऊर्जा कमजोर हो जाती है, जिसका असर कुछ राशियों के जीवन पर नकारात्मक रूप से देखने को मिल सकता है। इस दौरान कुछ राशियों को चुनौतियों और मानसिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि सही उपाय अपनाकर इन प्रभावों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं किन राशियों को सावधान रहने की जरूरत है और कौन-से उपाय लाभदायक रहेंगे।

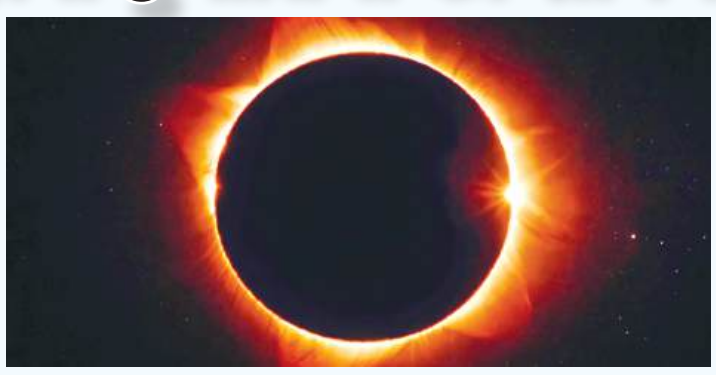

सिंह राशि

सूर्य आपकी राशि के स्वामी हैं, ऐसे में सूर्य ग्रहण का असर आप पर ज्यादा हो सकता है। इस दौरान आत्मविश्वास में कमी महसूस हो सकती है। करियर से जुड़े मामलों में सतर्क रहने की जरूरत है और किसी भी बड़े फैसले को टालना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारी आपके काम पर नजर रख सकते हैं, इसलिए हर जिम्मेदारी को सोच-समझकर निभाएं।

कन्या राशि

सूर्य ग्रहण आपके छठे भाव में घटित होगा। इस कारण विरोधी सक्रिय हो सकते हैं और आपके काम में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। किसी पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदायक हो सकता है। रुके हुए कामों में देरी हो सकती है, इसलिए धैर्य बनाए रखें और जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

वृश्चिक राशि

आपकी राशि के चतुर्थ भाव यानी सुख भाव में सूर्य ग्रहण लगेगा। इस वजह से माता-पिता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ सकती है, उनका विशेष ध्यान रखें। इस समय धन निवेश से बचना ही समझदारी होगी। गलत संगति से दूरी बनाए रखें, वरना आर्थिक नुकसान हो सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में भी सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

कुंभ राशि

सूर्य ग्रहण आपकी ही राशि में लगने वाला है, जिससे मानसिक तनाव और उलझनें बढ़ सकती हैं। बेवजह की चिंताएं शारीरिक सेहत को भी प्रभावित कर सकती हैं। पारिवारिक जीवन में संतुलन बनाए रखें और विवादों से दूरी बनाकर रखें।

मीन राशि

सूर्य ग्रहण आपकी राशि के हानि भाव में होगा। इस कारण पैसों से जुड़े मामलों में अतिरिक्त सावधानी जरूरी है। बिना योजना के खर्च करने से नुकसान हो सकता है। व्यापार करने वालों को भी इस समय उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। कुछ लोगों को हड्डियों या पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान कर सकती हैं, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सूर्य ग्रहण के दिन करें ये उपाय

सूर्य से जुड़े मंत्रों का जाप करें, जैसे - 'ॐ गृणी सूर्याय नमः' और 'ॐ आदित्याय नमः'।

- तांबा, गेहूं और गुड़ का दान करना शुभ माना जाता है।
- ग्रहण समाप्त होने के बाद घर में गंगाजल का छिड़काव करें।
- ग्रहण काल में धार्मिक ग्रंथों का पाठ करें।
- योग और ध्यान करने से मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त होती है।

महाशिवरात्रि की रात करें शमी के पत्तों का ये सरल उपाय

शमी के पत्तों को भगवान शिव की पूजा में शामिल करने से पूजा का फल और अधिक प्रभावशाली माना जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि महाशिवरात्रि पर शमी से जुड़े कौन से उपाय लाभकारी साबित होते हैं।

महाशिवरात्रि केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, बल्कि यह वह विशेष समय होता है जब आस्था, उम्मीद और आत्मविश्वास एक साथ मजबूत होते हैं। शिवभक्तों के लिए यह रात्रि जितनी आध्यात्मिक मानी जाती है, उतनी ही जीवन की व्यावहारिक समस्याओं से जुड़ी भी होती है।

धन की कमी, विवाह में देरी और करियर में रुकावट जैसी परेशानियों से जूझ रहे लोग महाशिवरात्रि के दिन किए गए उपायों से राहत की उम्मीद रखते हैं। ज्योतिष शास्त्र और शिव पुराण के अनुसार, इस दिन किए गए उपाय शीघ्र फल देने वाले माने जाते हैं। खासतौर पर शमी के पत्तों का महत्व इस दिन कई गुना बढ़ जाता है।

महाशिवरात्रि पर शमी पत्र का आध्यात्मिक महत्व

शिव पुराण में शमी वृक्ष को नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने वाला बताया गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार शमी पत्र विजय, सुरक्षा और सकारात्मक शक्ति का प्रतीक है। शमी के पत्तों को भगवान शिव की पूजा में शामिल करने से पूजा का फल और अधिक प्रभावशाली माना जाता है। यही कारण है कि महाशिवरात्रि पर शमी से जुड़े उपाय पूरी श्रद्धा के साथ किए जाते हैं।

धन लाभ के लिए शमी के पत्तों के उपाय

- आर्थिक रुकावटें दूर करने के लिए महाशिवरात्रि की सुबह स्नान करें।
- शिव मंदिर जाकर शिवलिंग का जल, दूध और गंगाजल से अभिषेक करें।
- इसके बाद 5 या 7 शमी पत्र अर्पित करें।
- पूजा के बाद 1 शमी पत्र घर लाकर तिजोरी या धन रखने की जगह पर रखें।
- इससे धन का प्रवाह बना रहता है और रुका हुआ पैसा मिलने के योग बनते हैं।

जल्दी विवाह के लिए शमी पत्र का उपाय

- विवाह में आ रही बाधाओं से राहत के लिए महाशिवरात्रि की रात शिव-पार्वती की संयुक्त पूजा करें।
- शिवलिंग पर 11 शमी पत्र अर्पित करें।
- मन में योग्य जीवनसाथी की प्रार्थना करें।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इससे विवाह से जुड़ी बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगती हैं।

कर्ज से मुक्ति के लिए शमी पत्र के उपाय

- आर्थिक दबाव कम करने के लिए संध्या काल की पूजा में 5 शमी पत्र भगवान शिव को चढ़ाएं।
- इनमें से 2 पत्तियां लाल कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखें।
- अधिक कर्ज होने पर शमी पत्र के साथ साबुत सुपारी और अक्षत भी अर्पित करें।
- ऐसा माना जाता है कि इससे आर्थिक तनाव में कमी आने लगती है।

करियर और व्यवसाय में सफलता के लिए शमी उपाय

- नौकरी और बिजनेस की रुकावटें दूर करने के लिए महाशिवरात्रि की रात शिवलिंग पर 21 शमी पत्र अर्पित करें।
- शिव चालीसा का पाठ करें।
- अगले दिन 1 शमी पत्र पर्स में रखें।
- मान्यता है कि इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और नए अवसर मिलने लगते हैं।

इस साल होली पर 20 मिनट का चंद्र ग्रहण, जानें सूतक काल का समय

हिंदू धर्म में होलिका दहन को महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। यह तिथि नकारात्मकताओं का नाश और जीवन में नई शुरूआत करने के लिए अत्यंत शुभ है। मान्यता है कि, होली के रंग जीवन में ऊर्जा और खुशियां लेकर आते हैं। इस दिन पूजा-पाठ व दान-दक्षिणा जैसे कार्य करने से जीवन में सुख-सौभाग्य बढ़ता है। इस वर्ष 3 मार्च 2026 को होलिका दहन है। लेकिन इसी दिन साल का पहला चंद्र ग्रहण भी लगने जा रहा है, जो भारत में स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। धार्मिक मान्यताओं और ज्योतिषीय दृष्टि से यह संयोग अत्यंत प्रभावशाली माना जाता है। ऐसे में होलिका दहन और चंद्र ग्रहण का समय क्या रहेगा, आइए जानते हैं।

चंद्र ग्रहण 2026: इस साल 3 मार्च 2026 को चंद्र ग्रहण लगने वाला है। यह इस वर्ष का पहला चंद्र ग्रहण होगा, जिसे भारत में देखा जाएगा। इसका समय शाम 6 बजकर 26 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 46 मिनट तक रहेगा। ग्रहण की कुल अवधि 20 मिनट की रहेगी।

कब लगेगा सूतक काल: 3 मार्च 2026 को लगने वाला चंद्र ग्रहण भारत में देखा जाएगा। इसलिए सुबह 9 बजकर 39 मिनट से सूतक काल प्रारंभ होगा, जिसमें नए काम से लेकर पूजा-पाठ करना वर्जित होगा।

कहां-कहां नजर आएगा चंद्र ग्रहण?: होली पर लगने वाला चंद्र ग्रहण एक आंशिक (खण्डग्रास) होगा, जिसे भारत से लेकर यूरोप, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, एशिया, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीका तक नजर आएगा।

होलिका दहन 2026: इस बार फाल्गुन पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 2 मार्च को शाम 5 बजकर 55 मिनट पर होगी और समापन अगले दिन 3 मार्च को शाम 5 बजकर 7 मिनट होगा। इसलिए 3 मार्च 2026 को होलिका दहन और 4 मार्च को रंगों की होली खेली जाएगी।

किस समय होगा होलिका दहन: ज्योतिषियों के मुताबिक, होलिका दहन पर चंद्र ग्रहण होने के कारण 6 बजकर 46 मिनट पर ग्रहण समाप्ति के बाद 6 बजकर 25 मिनट से रात 8 बजकर 50 मिनट तक होलिका दहन का मुहूर्त बना रहेगा।

आॅस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बुलवायो में अंडर-19 विश्व कप का सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया। इंग्लैंड ने इस मैच में जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है।

आॅस्ट्रेलिया को हराकर विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड, कप्तान ओलिवर का प्रयास रहा नाकाम

बुलवायो। कप्तान ओलिवर पीक का शानदार शतक भी आॅस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में हार से नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 27 रन से आॅस्ट्रेलिया को हराकर अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में जगह बना ली है। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान थॉमस रेव की शतकीय पारी से 50 ओवर में सात विकेट पर 277 रन बनाए। जवाब में आॅस्ट्रेलिया के लिए ओलिवर अंत तक टिके रहे, लेकिन उनकी पारी भी टीम को जीत नहीं दिला सकी और आॅस्ट्रेलिया की टीम 47.3 ओवर में 250 रन पर ऑलआउट हो गई।

ओलिवर का शतक

लक्ष्य का पीछा करते हुए आॅस्ट्रेलिया ने सधी हुई शुरूआत की, लेकिन 50 रन पूरे करने से पहले ही उसने दो विकेट गंवा दिए। हालांकि, नितेश सैमुअल ने 47 रन की पारी खेली। लेकिन ओलिवर अंत तक टिके रहे। ओलिवर ने 88 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 100 रन बनाए। वहीं, आर्यन शर्मा ने 34, विल ने 15, हेडन सिचलर ने 15 और स्टीवन होगन ने तीन रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से सेबास्टियन मोर्गन, जेम्स मिंटो, मैनी लम्सडन और रल्फी एलबर्ट को दो-दो विकेट मिले, जबकि एलेक्स फिंच और फरहान अहमद को एक-एक सफलता मिली।

भारत या अफगानिस्तान से होगा सामना

इंग्लैंड का अब फाइनल में सामना भारत और अफगानिस्तान के बीच बुधवार को होने वाले एक अन्य सेमीफाइनल की विजेता टीम से होगा। आॅस्ट्रेलिया ने चार बार इस टूनार्मेंट का खिताब जीता है, लेकिन वह अपनी पांचवीं ट्रॉफी जीतने से चूक गई। आॅस्ट्रेलिया के लिए कप्तान ओलिवर ने अंत तक संघर्ष किया, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके।

इंग्लैंड की पारी

इससे पहले, इंग्लैंड के लिए थॉमस ने 107 गेंदों पर 14 चौकों और एक छक्के की मदद से 110 रन बनाए जिसके दम पर इंग्लैंड चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रहा। थॉमस को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उनके अलावा कैलब फालकोनर ने 40 रन बनाए, जबकि फरहान अहमद 28 रन बनाकर नाबाद रहे। आॅस्ट्रेलिया के लिए हेडन और नादेन कूरे ने दो-दो विकेट लिए, जबकि विल बाइरोम और आर्यन शर्मा को एक-एक विकेट मिले।

ईशान किशन ने बल्लेबाजों में लगाई 32 स्थानों की छलांग, यह पाकिस्तानी बना नंबर-एक ऑलराउंडर

दुबई। भारत के स्टार बल्लेबाज ईशान किशन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। वह आईसीसी की ताजा टी20 रैंकिंग में बल्लेबाजों में 32 स्थानों की छलांग लगाकर 32वें पायदान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज ईशान की कमबैक सीरीज थी और उसमें उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। वहीं, पाकिस्तान के सैम अयूब टी20 के नंबर एक ऑलराउंडर बन गए हैं। अयूब आॅस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतरीन फॉर्म में दिखे हैं। ईशान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार वापसी की। वह चार मैचों में खेले और 8, 76, 28 और 103 रन की पारियां खेलीं। शीर्ष क्रम में उनके तूफानी फॉर्म की वजह से भारत ने टी20 विश्व कप से पहले अपनी आखिरी सीरीज में 4-1 से जीत हासिल की।

दिल्ली कैपिटल्स लगातार चौथी बार डब्ल्यूपीएल के फाइनल में, गुजरात को हराया

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स ने एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात जाएंट्स को हराकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गुजरात जाएंट्स ने बेथ मूनी के नाबाद अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में सात विकेट पर 168 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 169 रन बनाकर सात विकेट से जीत दर्ज की। यह लगातार चौथी बार है जब दिल्ली की टीम खिताबी मुकाबले में पहुंची है। अब उसका सामना फाइनल में पांच फरवरी को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। दिल्ली ने अब तक कभी डब्ल्यूपीएल का खिताब नहीं जीता है और उसके पास अपनी पहली ट्रॉफी जीतने का अवसर होगा।

शेफाली-लिजेली ने दिलाई मजबूत शुरूआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए शेफाली वर्मा और लिजेली ली ने दिल्ली कैपिटल्स को मजबूत शुरूआत दिलाई। इन दोनों बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी की और पहले विकेट के लिए 89 रन जोड़े। इस साझेदारी को जॉर्जिया वारेहम ने लिजेली को आउट कर तोड़ा। लिजेली 24 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुईं। इसके तुरंत ही बाद जॉर्जिया ने शेफाली को बोल्ड कर पवेलियन भेजा। शेफाली ने 21 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 31 रन बनाए।

वोलवार्ट-जेमिमा चमकीं

दो झटके लगने के बाद लाउरा वोलवार्ट और कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्स ने पारी आगे बढ़ाई। इन दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 41 गेंदों पर 68 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, दिल्ली जीत दर्ज कर पाती उससे पहले ही राजेश्वरी गायकवाड़ ने जेमिमा को पवेलियन भेजा। जेमिमा 23 गेंदों पर चार चौकों और एक छक्के की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुईं। वोलवार्ट अंत तक टिकी रहीं और मारिजाने काप ने दिल्ली को चौथा लगातर जीत दिलाई। वोलवार्ट 24 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि काप ने तीन गेंदों पर एक चौका के सहारे नाबाद चार रन बनाए। गुजरात के लिए वारेहम को दो और राजेश्वरी को एक विकेट मिला।

गुजरात की खराब शुरूआत

गुजरात के लिए बेथ मूनी और सोफी डिवाइन पारी की शुरूआत करने उतरे, लेकिन गुजरात को सोफी डिवाइन के रूप में पहला झटका लगा। डिवाइन नौ गेंदों पर एक चौके की मदद से छह रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद नंदिनी शर्मा ने गुजरात को लगातार दो गेंदों पर दो झटके दिए। उन्होंनेने अनुष्का को आउट कर गुजरात को दूसरा झटका दिया। अनुष्का अच्छी बल्लेबाजी कर रही थीं, लेकिन चिनेली ने उनका शानदार कैच पकड़ा। अनुष्का 13 गेंदों पर दो चौकों की मदद से 16 रन बनाकर आउट हुईं।

आवश्यकता है
कागज पत्तल बनाने हेतु पुरुष एवं महिलाओं की
पेपर ग्लास मशीन ऑपरेटर की
पैकिंग हेतु महिलाओं की
हेल्पर हेतु लड़को की
शीघ्र संपर्क करे
श्री हरि पेपर इंडस्ट्री
8 इंडस्ट्रियल एरिया मक्सी रोड
प्रवाह पेट्रोल पंप के पीछे, उज्जैन
मोबाइल 9425358095

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी
वेटर हेल्पर
किचन हैल्पर तंदूर वाला
और सिक्युरिटी गार्ड की
तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक
फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड
उज्जैन, 761-0571808

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन,
ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल
लोन, ऑफिस वर्क,
फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स
वेतन 10500 रु.
पता: श्री फाइनेंस सर्विस,
हार फूल की गली,
फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड,
संजोग गैस एजंसी के सामने
19'x55' और 15'x55'
साइज के प्लाट बेचना है ।
प्रस्तावित फोरलेन से मात्र
100 फिट की दूरी पर।
ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147,
9424045696

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से
15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक
लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की
आवश्यकता
पेट्रोल खर्च अतिरिक्त दिया जाएगा
संपर्क
मो.9575477077

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन)
पैकेजिंग कार्य हेतु
महिलाओं एवं
आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले
कारीगरों की व शर्ट व
सफारी बनाने वाले
कारीगरों की
आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क
फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास
रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी,
थोक रेट में टनों से
10-10 किलो के बंडल
में बेचना है
संपर्क
7773077762

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज
मंडी के सामने 2400 स्क्वे.
फीट का शोरूम रेंट पर देना
है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व
सेल्समेन की आवश्यकता है।
वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क
9826398272

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी
के ऑफिस में महिला एवं पुरुष
कर्मचारियों की आवश्यकता है।
अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क
करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड
टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और
विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग
भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की
आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

किसान ने किया सुसाइड, मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, तुकोगंज में भी महिला ने दी जान

इंदौर। इंदौर के खुड़ैल इलाके में रहने वाले एक किसान ने अपने घर के पीछे फांसी लगाकर जान दे दी। बुधवार रात में परिवार ने फंदे पर उनका शव देखा। बताया जा रहा है कि उनकी मानसिक स्थिति पिछले कई दिनों से ठीक नहीं थी। पुलिस के अनुसार, मृतक दिनेश चौहान (57) के परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। जमाई विकास ने बताया कि दिनेश अक्सर कहते थे कि कोई उनके पीछे लगा हुआ है। करीब एक साल से उनका मानसिक उपचार चल रहा था, लेकिन उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। इधर, तुकोगंज पुलिस ने बताया कि विकास नगर निवासी सीमा (42) ने बुधवार रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति राजू डोगरे इंदौर में नहीं थे। उनका बड़ा बेटा विशाल एमवाय के माध्यम से उन्हें अस्पताल लेकर गया और डॉक्टरों को फांसी लगाने की जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। परिवार ने बताया कि शाम को सीमा ने आटा लाने और दाल-बाटी बनाने की बात कही थी। रात 7 बजे तक उन्होंने फोन नहीं उठाया। घर पहुंचने पर बेटे ने मां को फंदे पर लटके देखा। विशाल के अनुसार पिता राजू भीकनगांव में रहते हैं और दोनों भाई कोरोना कॉल में काम के लिए इंदौर आए थे। दोनों भाई मां के साथ रह रहे थे। विशाल ने कहा कि उनकी मां को किसी तरह का तनाव नहीं था। पुलिस इस मामले की सभी जानकारियों की जांच कर रही है। इसी तरह खुड़ैल इलाके में दिनेश चौहान के मामले में भी पुलिस जांच कर रही है। परिजन उन्हें रात में अस्पताल लेकर आए थे। दोनों घटनाओं की वजहों का पता लगाने के लिए पुलिस सुसाइड की जांच कर रही है।

राम मंदिर में घुसे चोर भगवान के आभूषण एवं दानपेटी से रुपये लेकर फरार

इंदौर। इंदौर में चंदन नगर क्षेत्र के सिंहासा गांव के राम मंदिर में चोरी की वारदात सामने आई है। गुरुवार सुबह जब पुजारी मंदिर के ताले खोलने पहुंचे, तो ताले टूटे हुए मिले। इसके बाद रहवासियों को सूचना दी गई और चंदन नगर पुलिस को बुलाया गया। पुजारी नरेंद्र पाठक ने बताया कि चोर मंदिर से भगवान के आभूषण और दान पेटी में रखे लगभग तीन लाख रुपये लेकर फरार हो गए। चोरों ने दान पेटी तोड़ने का भी प्रयास किया था। पुलिस को मंदिर से कुछ दूरी पर लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरों की गतिविधियां कैद मिली हैं। फुटेज में चोर बाइक से आते और जाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। चोरी की घटना के बाद क्षेत्र के रहवासियों में नाराजगी देखी गई। सुबह सूचना मिलने पर बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में एकत्रित हो गए और पुलिस गश्त को लेकर सवाल उठाए।

क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग के तीन आरोपी पकड़े राजस्थान और उज्जैन के दो मामले में थे फरार

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग से जुड़े मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक आरोपी पूर्व में दर्ज मामले में फरार चल रहा था, जबकि अन्य दो आरोपियों को अलग मामले में संयोगितागंज क्षेत्र से पकड़ा गया है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच ने बीते दिनों 60 ग्राम एमडी ड्रग जब्त की थी। इस मामले में कुलदीप मेघवाल को गिरफ्तार किया गया था। पूछताछ के दौरान कुलदीप ने जमान खान निवासी झालावाड़ का नाम उजागर किया था। इसके बाद बुधवार को क्राइम ब्रांच ने दबिश देकर जमान खान को इंदौर सीमा से गिरफ्तार किया। आरोपी पांचवीं कक्षा तक पढ़ा है और रिपेयरिंग का काम करता है। वहीं दूसरी कार्रवाई में क्राइम ब्रांच ने शिवाजी नगर शौचालय के पास एमडी ड्रग बेचते हुए मित सिसौदिया निवासी संयोगितागंज, इंदौर और शोभित उर्फ पुष्पेन्द्र ठाकुर निवासी उज्जैन को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 13 ग्राम एमडी ड्रग, दो मोबाइल फोन सहित अन्य सामग्री जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पेशे से ड्रग पेडलर हैं और चलते-फिरते लोगों को नशा उपलब्ध कराते थे। जल्दी पैसा कमाने के लालच में आरोपी इस अवैध गतिविधि में शामिल हुए थे।

किन्नर सपना गुरु ने इच्छा मृत्यु मांगी पुलिस पर साजिश के आरोप

इंदौर। इंदौर के नंदलालपुरा क्षेत्र से जुड़े किन्नर गुरु सपना पर दो साल पुरानी शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज होने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जेल से छूटने के बाद दर्ज हुई एफआईआर को लेकर किन्नर गुरु ने राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, पुलिस कमिश्नर समेत कई प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिखे हैं। इन पत्रों में इच्छा मृत्यु की मांग करते हुए सीधे तौर पर कुछ पुलिस अधिकारियों के नाम भी लिखे हैं और उन्हें साजिश में शामिल बताया है। पत्र में सपना ने आरोप लगाया है कि कोर्ट के आदेश के बावजूद उनकी ओर से की गई शिकायतों पर कोई जांच नहीं की गई। हालाकि पंढरीनाथ में दर्ज हुए प्रकरण में किन्नर सपना की अभी गिरफ्तारी नही हुई है।

रावजी बाजार इलाके में नगर निगम की रिमूवल टीम की कार्रवाई

नाले पर बने 21 मकानों के कुछ हिस्से को तोड़ा

एक महीने में अतिक्रमण नहीं हटाया अब मांग रहे थे समय

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर नगर निगम की रिमूवल टीम ने गुरुवार को वार्ड-61 स्थित अमला रावजी बाजार में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। यहां नाले पर कब्जा कर बनाए गए 21 मकानों के कुछ हिस्से को तोड़ा गया है। लोग अतिक्रमण हटाने के लिए समय मांग रहे थे पर टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी। दरअसल, अतिक्रमणकारियों को कब्जा हटाने के लिए एक महीने का समय दिया गया था और यह अवधि पूरी होने पर भी लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया।

आज निगम की रिमूवल टीम पहुंची और कार्रवाई शुरू कर दी। इस दौरान नगर निगम की 4 टीमों के साथ ही रावजी बाजार थाने का पुलिस बल और 3 जेसीबी मशीनें लगी थीं। यह क्षेत्र जोन-12 में आता है। पिछले दिनों निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल सहित अन्य अधिकारियों ने क्षेत्र का दौरा किया था और नाले पर हुआ अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद इलाके का सर्वे कराया गया था। जिसमें 21 मकान नाले पर बने पाए गए थे।

जोन 12 के बिल्डिंग ऑफिसर वैभव देवलासे ने बताया कि रावजी बाजार थाने के सामने की तरफ कमला रोड वाले इलाके में यह कार्रवाई की गई है। 1 महीने पहले ही इन लोगों को बताया जा चुका था और उन्हें नोटिस भी दिए जा चुके थे, इसके साथ ही यहां पर लगातार अनाउंसमेंट किया जा रहा था, लेकिन यहां पर लोगों ने खुद से अतिक्रमण नहीं हटाया। इसके चलते आज नगर निगम की टीम ने 21 मकानों के अवैध हिस्से को हटाने की कार्रवाई की।

अंतरिक्ष की मौत...पिता बोले- रैगिंग-बुलिंग सह रहा था बेटा

कुर्सी-टेबल पर बैठ खाना खाने और दरवाजा बंद कर सोने की भी अनुमति नहीं थी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस प्रथम वर्ष के छात्र अंतरिक्ष अग्रवाल के सुसाइड के बाद रैगिंग को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

छात्र के परिजनों ने सीनियर छात्रों की प्रताड़ना को मौत की वजह बताया है, जबकि कॉलेज प्रशासन ने रैगिंग के ठोस सबूत नहीं मिलने की बात कही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बता दें कि ग्वालियर निवासी अंतरिक्ष अग्रवाल ने 2 फरवरी की रात अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी। पिता पंकज अग्रवाल का कहना है कि मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के बाद से ही बेटा परेशान रहने लगा था। वह तीन महीने से रैगिंग व बुलिंग का सामना कर रहा था। परिवार के मुताबिक, अंतरिक्ष ने बताया था कि सीनियर छात्र उसे परेशान करते थे और मजाक उड़ाते थे। डर के कारण उसने किसी का नाम नहीं बताया। परिजनों का कहना है कि हॉस्टल में सीनियर छात्रों का रवैया अपमानजनक था। मेस में सीनियर छात्रों की मौजूदगी पर फर्स्ट ईयर के छात्रों को खाना खड़े होकर खाना पड़ता था। कुर्सी-टेबल पर बैठने की अनुमति नहीं दी जाती थी। दिन में यूनिफॉर्म बदलने और रात में कमरे का दरवाजा बंद कर सोने की अनुमति नहीं थी। परिवार का कहना है कि अंतरिक्ष दो बार घर आया और दोनों बार रो पड़ा। एक बार उसने हॉस्टल से फोन कर प्रताड़ना की शिकायत भी की थी।

आवश्यकता
केयर इंटरप्राइजेस
(इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर हाउस)
उज्जैन में प्रोडक्ट बेस्ड माइक्रोफाइनेंस (No cost EMI) में कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है:-
फील्ड स्टाफ:- लड़के/ लड़की,
पद:- 6 योग्यता :- 12वीं पास
सैलरी :- 15000 + इंसेंटिव+ पेट्रोल खर्च + मोबाइल खर्च
नोट- केवल फील्ड करने के इच्छुक व्यक्ति ही आमंत्रित हैं !
दुकान पर काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है -
2 पद : सैलरी 8000/-
स्थान:- 33, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, पंचमपुरा, दो तालाब के पास, उज्जैन
इंटरव्यू में अपना रिज्यूम मय फोटो लाना अनिवार्य है।
इंटरव्यू दिनांक - 8/02/2026 रविवार, समय - 12 से 4 बजे
Mob. 6265895202 , 8224800652 , 9098281324

जय श्री महाकाल
ऑल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए एजेक्स फ्लोरी 2300 के.जी. किराये से 24 घंटे उपलब्ध है।
ए.के. सिंह मो. 7748813792
सिविल इंजीनियर की आवश्यकता है।
देवास रोड, आरके क्लब कॉलोनी, अभिलाषा के पीछे, उज्जैन

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

महिला कारीगर की आवश्यकता है
हैंडमेड ज्वैलरी बनाने हेतु शीघ्र 4 महिला कारीगर की आवश्यकता है।
समय :- 2 से 7 बजे तक (3 से 4 घंटे रोज)
वेतन:- कार्य करने पर निर्भर (10 हजार+)
ऐसी महिला कारीगर की आवश्यकता है जो एंब्रॉयडरी, सिलाई, बुनाई जैसे काम में कार्यरत हो।
कॉल 7424877834
संपर्क सुबह 10 से शाम 6 तक केवल

भारत की सबसे पुरानी प्राइवेट लिमिटेड यात्रा कंपनी
कैलाश ॐ शिव शंकर यात्रा प्राइवेट लिमिटेड
7/1 पटदेशीपुरा, मेन रोड, इंदौर
9302065100 - 9827072550 - 9589614200
रामेश्वरम, त्रिवेंद्रम, कन्याकुमारी, मदुरई, तिरुपति बालाजी यात्रा
प्रबंधक - राजेश पोरवाल एवं अनिल पोरवाल
समय 10 दिन
• आवास हेतु 4 बेड वाले रूम की सुविधा
• टेम्पो ट्रैवलर अथवा बस द्वारा भ्रमण
• आने जाने की स्लीपर ट्रेन टिकट
• कंपनी द्वारा 15 व्यक्तियों से अधिक के समूह में भोजन एवं चाय नाश्ते की सुविधा
विशेष प्रस्थान - 10 मार्च 2026
• प्रथम दिवस : इंदौर से त्रिवेंद्रम के लिए ट्रेन से प्रस्थान
• तीसरा दिन : विख्यात पद्मनाभ स्वामी मंदिर दर्शन, रात्रि विश्राम त्रिवेन्द्रम
• चौथा दिन : कन्याकुमारी मंदिर दर्शन, संगम स्नान रात्रि कन्याकुमारी
• पांचवा दिन : रामेश्वरम दर्शन, रामेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन रात्रि रामेश्वरम
• छठा दिवस : मदुरई स्तिथ मिनाक्षी देवी मंदिर दर्शन रात्रि बस अथवा ट्रेन
• आठवां दिन : तिरुपति बालाजी दर्शन (दर्शन हेतु आधार कार्ड साथ लाये)
• नवा दिन : भोपाल होते हुए इंदौर प्रस्थान
• दसवा दिन : इंदौर आगमन
यात्रा शुल्क मात्र 19,500 प्रति सवारी
पूर्ण AC यात्रा शुल्क 28,000 रु प्रति सवारी
ग्रुप बुकिंग पर विशेष छूट

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

जय माता दी
उज्जैन में नाकोडा हिल्स कॉलोनी देवास रोड पर 20X60 पश्चिम दिशा का रजिस्ट्री करा हुआ पूर्ण वैध प्लाट खरीदने के लिए संपर्क करें।
संपर्क करें
मो. 6262369656

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर | हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय
प्रति मंगलवार और शुक्रवार
समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

आवश्यकता है
(1) अमूल आइसक्रीम में सेल्समैन एवं डिलेवरी मैन की
कार्य समयः दोपहर 12 से शाम 6
(2) पेपर काउंटर संभालने वाले की जिसको एकाउंट का ज्ञान हो
कार्य समयः सुबह 4 से सुबह 8 (4 घंटे)
बागड़िया न्यूज एजेंसी
121 सेंट्रल कोतवाली के सामने उज्जैन
9425332161

खुश खबर खुश खबर खुश खबर
उज्जैन व्यापार मेला
आइये और पाइये वर्ष 2026 की सबसे बेहतरीन डील
आर.टी.ओ. टैक्स पर 50% की छूट
इसके अलावा और भी अन्य लाभ प्राप्त करने के लिए आज ही अपनी मारुती सुजुकी कार मॉडल तय कर बुक करें,
मेले का लाभ वाहन उपलब्ध होने पर ही दिया जायेगा, तो आज ही अपना वाहन बुक करे और मेले का लाभ प्राप्त करे।
युग कार्स (मारुति शो-रुम)
नागझिरी देवास रोड, उज्जैन
मोबाइल: 7389901262, 9755510100, 9752530200
मारुति ऑउटलेट उज्जैन तहसील
नागदा : नागदा बाईपास जावरा रोड 9009140508
तराना : तोतला मार्ग 9589090827
बड़नगर : रुनिजा रोड 9993566820
महिदपुर : घोंसला रोड, नारायण सिंह सोलंकी 9109107176
खाचरौद : पटेल नगर बड़नगर रोड 9993566910
घट्टिया : जगोटी रोड के पास, आगर रोड 8959600100
इंगोरिया : उज्जैन - नागदा रोड, इंगोरिया 9340294804

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिकड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com